

लगजरी कार में मिला 7.5 लाख का गांजा, 04 तस्कर हुए गिरफ्तार

पथलगांव से लेकर आए थे गांजा की खेप, दो कार, नगदी सहित लाखों का सामान जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। साइबर सेल पुलिस टीम एवं चौकी रघुनाथपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए लगजरी कार सवार आरोपियों के कब्जे से 37 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। इसकी कुल कीमत 7 लाख 40 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो कार, 87 हजार रुपये नगद, आईफोन सहित 09 नग मोबाइल जप्त किया है। पुलिस अधीक्षक सरगुजा योगेश पटेल ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सरगुजा पुलिस को विशेष दिशा-निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में पुलिस टीम अपने-अपने इलाके में ऐसे लोगों पर पैनी नजर रख रही है, जो नशे के अवैध कारोबार में लगे हैं। इसी क्रम में 16 नवम्बर को चौकी रघुनाथपुर की पुलिस को मुखबिर के माध्यम से पुष्ट सूचना मिली कि हुंडई क्रेटा कार क्रमांक सीजी 13 एजी 0995 में नरेश यादव एवं मोहम्मद सद्दाम नामक दो संदिग्ध व्यक्ति भारी मात्रा में



अवैध गांजा लेकर पथलगांव की तरफ से आ रहे हैं। बताया गया था कि कार सवारों के द्वारा ग्राम सिलसिला के पास गांजा की बिक्री संजय पटेल व प्रेम प्रकाश को की जाएगी। सूचना पर पुलिस टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम सिलसिला के बस्ती की ओर जाने वाली पंचायत सड़क पर पहुंची, तो क्रेटा कार क्रमांक सीजी 13 एजी 0995 में सवार 02 व्यक्ति, स्विफ्ट कार क्रमांक सीजी 14 एमएस 0241 में सवार 02 व्यक्तियों से बोरियों में सामान का लेन-देन कर रहे थे। आरोपी फरार न हो जाएं, इसे देखते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी करके इन्हें पकड़ा और हिरासत में लेकर पूछताछ की तो क्रेटा कार से आए व्यक्तियों

ने अपना नाम मो. सद्दाम पिता मो. हनीफ 32 वर्ष, निवासी शांतिनगर, थाना पथलगांव एवं नरेश यादव पिता मोहन यादव 36 वर्ष निवासी ग्राम तुखामा थाना पथलगांव, जिला जशपुर होना बताया। स्विफ्ट कार से पहुंचे व्यक्तियों ने अपना नाम संजय पटेल पिता मिश्री लाल पटेल 33 वर्ष निवासी धुमांडा पो. गोविंदपुर चौकी रेवटी थाना चंदौरा जिला सूरजपुर एवं प्रेम प्रकाश पटेल पिता स्व. नारद प्रसाद पटेल 42 वर्ष निवासी परसडीहा थाना बसंतपुर, जिला बलरामपुर होना बताया। तलाशी में बोरियों में पैक गांजा मिला। आरोपियों के विरुद्ध थाना लुन्डा में धारा 20(बी) एन.डी.पी.एस. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

इन नंबरों पर दें गोपनीय सूचना

पुलिस अधीक्षक सरगुजा योगेश पटेल ने आम नागरिकों से अपील की है कि अवैध मादक पदार्थों के खरीद-फरोख्त एवं तस्करी के संबंध में किसी भी प्रकार की महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त होने पर निःसंकोच आम नागरिक कंट्रोल रूम अम्बिकापुर के

मोबाइल नंबर 94791 93599 एवं 62645 14847 पर संपर्क कर जानकारी प्रदान कर सकते हैं। प्राप्त सूचना पर पुलिस टीम को एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत सख्ती से कार्रवाई करने के दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सूचना देने वाले नागरिकों का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया गया। चंदौरा में खपाने की थी तैयारी संदिग्धों के कार को चेक करने पर 37 बोरियों में भूरे रंग के टेप व पॉलिथीन में लपेटा हुआ 37 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला। साथ ही गांजा खरीद-बिक्री की नगद रकम 87 हजार रुपये नगद पुलिस ने जप्त किया। आरोपियों के कब्जे से 01 नग आईफोन सहित कुल 09 नग मोबाइल फोन जप्त किया गया है। आरोपियों ने पूछताछ में उक्त गांजा पथलगांव से लाकर ग्राम सिलसिला में बिक्री करने और चंदौरा प्रतापपुर में खपाने की जानकारी पुलिस को दी है। कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम कार्रवाई में चौकी प्रभारी

रघुनाथपुर उप निरीक्षक आर.एन. पटेल, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, प्रधान आरक्षक संजय नागेश, आरक्षक अनुज जायसवाल, मनीष सिंह, जितेश साहू, अशोक यादव, रमेश राजवाड़े, लालदेव सिंह, राकेश एक्का, अरविन्द तिवारी, बहादुर एक्का, हरिलाल, प्रदीप तिकी सक्रिय रहे।

दुष्कर्म से नाबालिग हुई गर्भवती, दवा खिलाकर गर्भपात कराया

पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेजा



छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। नाबालिग को डरा-धमका कर जबरन दुष्कर्म एवं गर्भपात कराने के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक प्रार्थिया 15 नवम्बर को थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि विजय मिस्त्री उसकी नाबालिग भतीजी के साथ 5-6 माह पूर्व डरा-धमकाकर जबरन दुष्कर्म किया था। घटना के बारे में किसी को बताने पर

वह जान से मारने की धमकी दिया था। इधर नाबालिग गर्भवती हो गई थी। इसके बाद आरोपी युवक नाबालिग को दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया था। मामले की रिपोर्ट पर पुलिस ने थाना गांधीनगर में धारा 64(2)(ड), 65(1), 88, 351(3) बीएनएस एवं पोक्सो एक्ट की धारा 6 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया

था। पुलिस टीम ने आरोपी विजय मिस्त्री 6 वर्ष निवासी सकालो किशुननगर, थाना गांधीनगर को गिरफ्तार करके घटना के संबंध में पूछताछ की तो वह नाबालिग के साथ जबरन दुष्कर्म एवं गर्भवती होने पर गर्भपात की दवा खिलाता स्वीकार किया। आरोपी को पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। क

सोलर पॉवर प्लांट महीनों से बंद, क्रेडा के जिम्मेदार नहीं उठाते फोन बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ अंचल का कहना है कि जिले का रामगढ़ पंचायत घने जंगलों से घिरा हुआ है। आए दिन यहां जंगली जानवरों के आने की सुगुणहट मिलती है। जंगली हाथियों के विचरण के कारण खतरे की स्थिति बनी रहती है।

पुलिस सुरक्षित सफर के लिए ताकत झोंक रही, इधर दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही

ट्रेलर, पिकअप की ठोकर सहित अन्य सड़क दुर्घटनाओं में 4 लोगों की मौत, 3 घायल

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। जिले में सड़क हादसे की रफ्तार बढ़ गई है। जहां एक ओर पुलिस लोगों को सुरक्षित सफर के लिए प्रेरित करने और निरंतर कार्रवाई पर जोर दे रही है, वहीं ऐसे-ऐसे सड़क हादसे हो रहे जिसे देख, सुनकर दिल दहल जाता है। आप सुरक्षित चल रहे हैं लेकिन पीछे और सामने से आ रहे वाहन चालक जनसुरक्षा को लेकर कितने फिक्रमंद हैं, यह समझ पाना मुश्किल हो गया है। इसी क्रम में अलग-अलग सड़क हादसे में ट्रेलर, पिकअप, अज्ञात वाहन की चपेट में आने से जहां तीन लोगों की जान चली गई, तीन घायल हो गए, वहीं वाहन से अनियंत्रित होकर लगभग 25 दिन पूर्व हुए एक घायल स्वस्थ होने के बाद घर पहुंच गया था। पुनः तबियत बिगड़ी और मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक रायगढ़

जिला के लैलूंगा थाना अंतर्गत ग्राम बनखेता निवासी इस्थिफिनोस तिकी पिता करमसाय 25 वर्ष, शुक्रवार को सुबह लगभग 10 बजे अपने जीजा राकेश एक्का के साथ बाइक में उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम केदमा जाने के लिए निकला था। लुचकी घाट के पास शाम लगभग 5 बजे अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए इन्हें ठोकर मार दिया। घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अम्बिकापुर लाया गया, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने इस्थिफिनोस एक्का को मृत घोषित कर दिया। घायल राकेश एक्का का उपचार चल रहा है। दूसरी घटना में मणिपुर अम्बिकापुर थाना क्षेत्र के झूमरपारा के सोनू कुमार यादव पिता बुधराम 28 वर्ष की मौत हो गई। मृतक शुक्रवार की रात को लगभग 8.30 बजे बाइक से अम्बिकापुर आने के लिए निकला था। भिड्डीकला मुख्य मार्ग में

पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 15 ईए 2910 के चालक ने उसे ठोकर मार दिया, जिसमें वह घायल हो गया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में देर रात 11 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटनाकारित वाहन को जप्त कर लिया है। दो अन्य घटनाओं में जयनगर थाना क्षेत्र के लटोरी कसकेला निवासी बाबूलाल सिंह पिता नीलांधर सिंह 51 वर्ष की ट्रेलर की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक 15 नवम्बर की शाम को लगभग 5 बजे अपने भतीजा भीम सिंह के साथ दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाइक में सवार होकर कालीपुर जा रहा था। इसी दौरान करवा पड़कीपारा में ट्रेलर क्रमांक सीजी 15 एसी 5221 का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए इन्हें चपेट में ले लिया। गंभीर स्थिति में दोनों को सजीवनी 108 एक्सप्रेस से मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, यहां बाबूलाल को

जांच के बाद चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घायल भीम सिंह की स्थिति गंभीर होने के कारण चिकित्सक ने उसे रायपुर रेफर कर दिया है। वहीं मोटरसाइकिल से अनियंत्रित होकर गिरे लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोरजा निवासी चमरु राम राजवाड़े पिता स्व. लक्ष्मण राजवाड़े 65 वर्ष की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक बीते 20 अक्टूबर को हृदय नारायण राजवाड़े के साथ बाइक में ग्राम बिनकरा से घर लौट रहा था। रास्ते में महुआ मोड़ के पास वे अनियंत्रित होकर गिर गए थे। अम्बिकापुर के निजी अस्पताल में इलाज के बाद चमरु राम की 23 नवम्बर को चिकित्सक ने छुट्टी कर दी थी। 15 नवम्बर को पुनः तबियत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर स्वजन पहुंचे, यहां शनिवार को सुबह वह दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को सौंप दिया है।

गर्भपात की गोली हो सकती है खतरनाक, एक गर्भवती महिला की गई जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। अनाहते गर्भ से छुटकारा पाने के लिए महिलाएं दवा दुकानों में आसानी से मिल जाने वाले गर्भपात की गोलीयों का सेवन कर लेती हैं, लेकिन यह उनके जीवन के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे ही एक मामले में सूरजपुर जिला के जयनगर थाना अंतर्गत ग्राम बृजनगर लटोरी की गर्भवती महिला के लिए गर्भपात के लिए गोली का सेवन करना हानिकारक साबित हुआ। महिला की तबियत बिगड़ गई और उसे इलाज कराने का अवसर भी नहीं मिल पाया। स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक बृजनगर निवासी धनेश्वरी

पति रामकिशुन गोड़ 31 वर्ष के दांपत्य जीवन के बीच तीन संतान हैं। पुनः महिला को गर्भवती होने का एहसास हुआ। जांच के दौरान दो माह का गर्भ होने की जानकारी मिली। तीन बच्चों के होने के कारण महिला स्वयं दवा दुकान जाकर गर्भपात का गोली लेकर लगभग 15 दिन पूर्व खा ली थी। इस दौरान उसका पति कहीं बाहर गया था। गोली खाने के बाद उसे पेट में दर्द का एहसास हुआ, वह इसकी जानकारी अपने पति को दी। तबियत बिगड़ने पर आनन-फानन में स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां चिकित्सक ने महिला को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मामले में मर्ग कायम करके पुलिस ने मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। कूटरचित दस्तावेज पेश करके भूमि संबंधित आदेश पारित कराने के एक मामले में न्यायालय कलेक्टर सरगुजा ने पक्षकार के विरुद्ध प्रार्थमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया है। इसके पालन में नायब तहसीलदार ने संबंधित के विरुद्ध कोतवाली थाना में प्रार्थमिकी दर्ज कराया है। जानकारी के मुताबिक कूटरचित आदेशों की सत्यता की जांच दौरान सामने आया कि राजस्व मण्डल बिलासपुर के प्रकरण क्रमांक 16/विविध/30.01.2010 में पक्षकार इसरार अहमद पिता मो. जहूर सदर अंजुमन गौसुलवारा नवागढ़, तहसील अम्बिकापुर के द्वारा ग्राम नवागढ़ में स्थित खसरा क्रमांक 179/2, रकबा 0-072 हेक्टेयर भूमि के

आदेश दिनांक 26.11.2010 में भिन्नता है। प्रकरण के संबंध में राजस्व मण्डल छ.ग. बिलासपुर ने अवागत कराया कि न्यायालय द्वारा पारित मूल आदेशों का सुक्ष्मता से परीक्षण करने पर आदेशों में भिन्नता स्पष्ट रूप से पाई गई है। नायब तहसीलदार ने न्यायालय कलेक्टर सरगुजा के आदेश और राजस्व मण्डल बिलासपुर के पत्र का हवाला देते हुए कोतवाली पुलिस को आदेशों में की गई कूटरचना की जानकारी दी है, जो गंभीर आपराधिक कृत्य है। इस आधार पर राजस्व मण्डल छ.ग. बिलासपुर द्वारा भी संबंधितों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने पक्षकार इसरार अहमद पिता मो. जहूर, सदर अंजुमन गौसुलवारा नवागढ़ के विरुद्ध प्रार्थमिकी दर्ज कर लिया है।

ट्रिपल हत्याकांड: मुख्तार ने सोते वक्त किया प्रहार, प्रेम प्रसंग के चलते चली गयी तीनों की जान

छ.ग.फ्रंटलाइन

बलरामपुर। जिले में एक दिल दहला देने वाले मामले ने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया। मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर बंद पड़े फलाई एश ब्रिक्स प्लांट के पास धान के खेत में तीन मानव कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। कंकाल की पहचान सूरज देव ठाकुर की पत्नी कौशल्या ठाकुर (35), बेटे मुस्कान (17) और बेटे मिंटू ठाकुर (5) के रूप में हुई। 115 नवंबर 2024 को सुबह 7:15 बजे पारसनाथ नामक व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी कि दहेजकांड के खेत में मानव कंकाल और अन्य अवशेष पड़े हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घटनास्थल से हड्डियां, खोपड़ी, कपड़े और पायल बरामद की। फॉरेंसिक टीम और स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने जांच के दौरान कुसमी थाना क्षेत्र में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट को खगाला। सूरज देव ठाकुर ने अपनी पत्नी और बच्चों के



जांच में हुई प्रगति और आरोपी का खुलासा

मामले को तह तक जाने के लिए पुलिस ने मुख्तार अंसारी नामक व्यक्ति को झारखंड से गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि लव अफेंयर में मुख्तार अंसारी ने लापता मां-बेटे और बेटे को कुल्हाड़ी से वार कर मार डाला। बताया जा रहा है कि मुख्तार के भाई आरिफ का एक नाबालिग लड़का से प्रेम संबंध था, जिसके कारण वो घर पर पैसे नहीं भेजता था। इससे नाराज होकर बड़े भाई ने तीनों की हत्या कर दी। कुसमी बाजार से गायब होने की शिकायत दर्ज कराई थी। जब कंकालों की पहचान हुई, तो यह खुलासा हुआ कि ये तीनों सूरज देव ठाकुर के परिवार के सदस्य थे।

पर मामले की लीपापोती का आरोप लगाते हुए कंकालों को लेने से इंकार कर दिया। प्रशासन और पुलिस के समझाने पर शुक्रवार को रात 10 बजे कंकालों को परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद, मृतका के मायके जशपुर बंदर चूआ ले जाकर इब नदी में शनिवार को अंतिम संस्कार किया गया। परिवार और समाज में आक्रोश घटना के बाद स्थानीय लोग और मृतकों के परिजन प्रशासन और पुलिस पर कार्रवाई में देरी का आरोप लगा रहे हैं। परिजनों का कहना है कि यह मामला भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। हालांकि, बलरामपुर पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया है कि मामले में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई होगी।

थाना प्रभारी लाइन अटैच

मामले में कुसमी थाना प्रभारी जितेंद्र जायसवाल पर कार्रवाई की गई है। जितेंद्र जायसवाल को पुलिस लाइन बलरामपुर अटैच किया गया है। रघुनाथनगर थाना प्रभारी संत लाल आयाम को थाना प्रभारी कुसमी बनाया गया है। हालांकि आदेश अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस फेबदल को प्रशासनिक बताया गया है।

परिवार और समाज में आक्रोश

घटना के बाद स्थानीय लोग और मृतकों के परिजन प्रशासन और पुलिस पर कार्रवाई में देरी का आरोप लगा रहे हैं। परिजनों का कहना है कि यह मामला भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। हालांकि, बलरामपुर पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया है कि मामले में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई होगी।

आरक्षकों को प्रधान आरक्षक के पद पर किया गया पदोन्नत

छ.ग.फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। पुलिस अधीक्षक सरगुजा योगेश पटेल के निर्देशन में पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर अम्बिकापुर में पदोन्नती कार्यक्रम आयोजित कर 03 महिला आरक्षक एवं 01 आरक्षक को फीता लगाकर प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया। पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रधान आरक्षकों को पदस्थापना के दौरान अपने अनुभव के आधार पर बेहतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया एवं विभाग द्वारा प्रदत्त नई जिम्मेदारी का कुशलता पूर्वक निर्वहन करने की शुभकामनाएं दीं। महिला प्रधान आरक्षक किरण सोनी, अंजेली मिंज, मेबिस ज्योत्सना



अधीक्षक एमआर करश्यप, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर राजेंद्र मंडावी, नगर सेना के कमांडेंट शिवकुमार कटोतिया एवं सरगुजा पुलिस के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

खाखा एवं निरज पाण्डेय प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नति प्राप्त किए। इस दौरान संभागीय महिला के लिए गर्भपात के लिए गोली का सेवन करना हानिकारक साबित हुआ। महिला की तबियत बिगड़ गई और उसे इलाज कराने का अवसर भी नहीं मिल पाया। स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक बृजनगर निवासी धनेश्वरी

सोहागपुर में विद्युत लो वोल्टेज से ग्रामीण परेशान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन विश्रामपुर। ग्राम पंचायत खरसुरा के सरईपारा में आमजन को लो वोल्टेज की समस्या से जूझना पड़ रहा है। ग्रामीणों द्वारा उक्त समस्या से निजात दिलाने लंबे अरसे से विभागीय अधिकारियों से गुहार लगाई जा रही है। बावजूद इसके आज तक आमजन को उक्त समस्या से निजात नहीं मिल सका है। सुरजपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत सोहागपुर के सरईपारा में स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर काफी दूर स्थापित करा दी गई है। साथ ही यहां पर लोगों को लंबे अरसे से लो वोल्टेज की



समस्या से जूझना पड़ रहा है। लो वोल्टेज की वजह से जहां एक ओर कृषि कार्य प्रभावित

हो रही है, वहीं दूसरी ओर गांव के बच्चों को रात में अध्यापन कार्य में भी काफी दिक्कतों का

सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया उक्त गंभीर समस्या से निजात दिलाने लोग केवल विभागीय अधिकारियों के चक्र काट रहे हैं लेकिन आज तक आमजन को समस्या से निजात नहीं मिल सकी है।

यहां पर उक्त विद्युत ट्रांसफार्मर से करीब डेढ़ सौ घरों में विद्युत आपूर्ति कराई जाती है लेकिन लो वोल्टेज के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों द्वारा विभागीय अधिकारियों से अविलंब उक्त लो वोल्टेज की समस्या से निजात दिलाने की मांग की गई है।

कार्ययोजना बनाकर की जा रही है उद्यानों की साफ सफाई

भिलाईनगर, छ.ग. फ्रंटलाइन। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत स्थित उद्यानों का कार्ययोजना बनाकर की जा रही है साफ-सफाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में लगभग 150 उद्यान हैं, जिसका संधारण एवं रखरखाव उद्यान विभाग के श्रमिक लगाकर कराया जाता है। सभी उद्यानों में फलदार, फूलदार, छायादार पौधे, फूलों की क्यारी, खेल सामग्री एवं घूमने के लिए पाथवे भी बनाया गया है। जहां प्रतिदिन आस-पास के वरिष्ठ नागरिक टहलने एवं बच्चे खेलने आते रहते हैं। उनकी सुविधा को देखते हुए उद्यानों की साफ-सफाई कराई जा रही है। नगर निगम भिलाई के उद्यान अधिकारी तिलेश्वर कुमार साहू प्रतिदिन उद्यानों की मांनिटरिंग करते हैं। जिन उद्यानों के घांस, किनारे के पेड़ बड़े हो जाते हैं डाली इधर-उधर फैल जाते हैं उसे श्रमिकों की टीम लगाकर कटाई-छटाई कराया जाता है। जिससे आने वाले नागरिकों एवं बच्चों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। निगम के पांचों जोन क्षेत्र में उद्यान बनाया गया है, जहां पर आवश्यकतानुसार श्रमिक लगाकर साफ-सफाई कराया जा रहा है। साथ ही पौधों एवं क्यारी में पानी की सिंचाई, खाद इत्यादि डालकर पौधों को हरा-भरा रखा जा रहा है। रोड के बीच बने डिवाइडरों में टेंकर के माध्यम से पानी की सिंचाई भी कराई जा रही है, जिससे सभी पेड़-पौधे जीवित रहे। नगर निगम भिलाई द्वारा प्रयास किया जा रहा है। उद्यानों में टहलने घूमने आने वाले सभी नागरिकों एवं बच्चों से यह भी अनुरोध है कि गार्डन में फूल पौधों को नुकसान ना पहुंचाएं, किसी प्रकार का गंदगी न करें, कोई दूसरा कर्ता है तो उसे भी रोकने का प्रयास करें। इससे हमारा गार्डन और खूबसूरत रहेगा।

आईटीआई राजपुर में जनजातीय गौरव स्मृति कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जनजातीय गौरव स्मृति कार्यक्रम "जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत" के अंतर्गत विगत 05 अक्टूबर 2024 से प्रारम्भ हुए कार्यक्रम की अंतिम कड़ी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था राजपुर में एक दिवसीय कार्यशाला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता, जनजातीय महानायकों के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। जनजातीय गौरव स्मृति समिति के संयोजक श्री दिनेश कुमार द्वारा कार्यक्रम पर प्रकाश डाला गया। जनपद पंचायत

बलरामपुर के अध्यक्ष श्री विनय पैकरा ने जनजातीय समाज के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराते हुए जनजातीय समाज द्वारा जल-जंगल-जमीन के संरक्षण हेतु किये गये संघर्ष एवं देश हित में किये गये बलिदान को स्मरण कराया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक करमा नृत्य, जनजातीय गीत, जनजातीय जीवन कला प्रदर्शन, एकल जनजातीय गान आदि का भी आयोजन किया गया। 05 अक्टूबर से 13 नवम्बर 2024 तक विभिन्न प्रतियोगिताओं (निबंध लेखन, पोस्टर मैकिंग, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, कबड्डी, खो-खो, रंगोली, भाषण/कविता/क्रीज एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता) में

18 नवम्बर से जनपदवार होगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया है कि जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए 18 नवम्बर से 25 नवम्बर 2024 तक जनपदवार प्रातः 11 बजे से 04 बजे तक प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 18 नवम्बर को विकासखण्ड कुसमी के जनपद पंचायत में प्रातः 11 बजे से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया है। इसी प्रकार 19 नवम्बर को जनपद पंचायत शंकरगढ़, 20 नवम्बर को जनपद पंचायत राजपुर, 21 नवम्बर को जनपद पंचायत वाडफगगर, 22 नवम्बर को जनपद पंचायत रामचंद्रपुर तथा 25 नवम्बर 2024 को जनपद पंचायत बलरामपुर में कैंप का आयोजन किया गया है।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन विश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त विद्यालय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस अंतर्गत जननायक बिरसा मुंडा जी की 150 वीं जयंती मनाई गई।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में श्रीमती कैलाशो उपाध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं

विकास समिति रुनियाडीह, महेश गुप्ता नगर अध्यक्ष नगर समिति विश्रामपुर, गोपाल राम सूरजपुर जिला प्रभारी वनवासी कल्याण आश्रम, पार्श्व रविशंकर बडवा उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत संस्था के बाल प्रधानमंत्री अजय विश्वकर्मा व खेल मंत्री समीर देवांगन सहित संस्था की सुआ नर्तक दल द्वारा सुआ नृत्य प्रस्तुति के साथ किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा जननायक एवं अत्यायु में शहीद

का दर्जा प्राप्त करने वाले जनजातीय परिवार के भगवान बिरसा मुंडा की जीवन वृत्त को बताया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के शिक्षक रिजवान अंसारी, एम. टोप्पो, पूनम गुप्ता, सुमित्रा राजवाड़े, नान देईया तथा बाल कैबिनेट के मंत्री रिकी राजवाड़े, सुनीता, कलावती, रूपा सिंह, प्रमिला, वर्षा, रजनी विश्वकर्मा, निकिता, बुधियारी प्रीति सारथी साधना व टिकेश्वरी राजवाड़े सक्रिय रहे।

जनजातीय गौरव माह के तहत कोटेया में हुई रंगोली प्रतियोगिता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ के पत्रानुसार जनजातीय गौरव माह के अंतर्गत जिले के प्रत्येक हाई व हायर सेकेंडरी विद्यालय में जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत को रेखांकित करने निबंध प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जानी है। जिसके परिपालन में प्रेमनगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटेया में प्राचार्य लिनू मिंज के निर्देशानुसार, व्याख्याता कृष्ण कुमार ध्रुव के नेतृत्व में नवमी से बारहवीं के छात्राओं के द्वारा जनजातीय गौरव माह के अंतर्गत अनेक आकर्षक रंगोली बनाकर प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। बच्चों ने आदिवासी विरासत को याद करने, समवेतिता को बढ़ावा देने आदिवासी संस्कृति, सुंदर रंगोली कलाकृतियां, पेंटिंग और पारंपरिक आदिवासी कला पर अनेक नायक के साथ उनकी संस्कृति पर रंगोली बनाया गया। इस कार्यक्रम में प्रारंभिक स्तर पर जिले के सभी हाई एवं हायर

सेकेंडरी विद्यालय में आयोजित की जानी है। इस आयोजन के माध्यम से आदिवासी विरासत और संस्कृति को गहन समझ को बढ़ावा देना चाहता है साथ ही सरकारी कल्याणकारी पहलों में आदिवासी समुदाय को सक्रिय रूप से शामिल करना चाहता है।

इस उत्सव का उद्देश्य युवाओं को भारत की आदिवासी विरासत की समृद्ध विरासत से जुड़ने, उसे समझने और उसका सम्मान करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। रंगोली कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य लिनू मिंज, व्याख्याता मालिक राम भारद्वाज, कृष्ण कुमार ध्रुव, तुल सिंह कंवर, प्रदीप दास, अमरजीत सोलंकी, कुटो सिंह, आशिषि जेल्स लकड़ा, कपिल कुमार राजवाड़े, गोपाल प्रसाद मैत्री, रीता बर्मन, मा. शाला प्रधान पाठक मसत राम सिंह, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक जयपाल सिरदार, अनार सिंह, हरिशरण, शिवशोभन सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जिला सहकारी बैंक में विधायक ने किसानों को बता एटीएम कार्ड किसानों के चेहरे पर मुस्कान



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन प्रतापपुर। जिला सहकारी बैंक शाखा प्रतापपुर द्वारा क्षेत्रीय विधायक शकुन्तला सिंह पोत के हाथ से किसानों को एटीएम कार्ड का वितरण किया गया इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र के भारी संख्या किसान कार्यक्रम में पहुंचे थे।

धान खरीदी प्रारंभ होने के साथ ही किसानों को उचित समय पर धान का पैसा उपलब्ध कराने के लिए शासन पर स्तर पर तैयारी कर रही है इसी कड़ी में जिला सहकारी शाखा प्रतापपुर बैंक के सामने कार्यक्रम आयोजित की गई थी जिसमें क्षेत्रीय विधायक शकुन्तला सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत फूलमाला और गुलदस्ता से किया गया कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्रीय विधायक शकुन्तला सिंह पोत

ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार 31000 करोड़ के धान खरीदने के वादे को पूरा कर रही है साथ ही किसानों को धान का राशि समय भुगतान हो इसके लिए हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं किसी कड़ी में जिला सहकारी बैंक द्वारा आज 300 किसानों को एटीएम कार्ड वितरण किया गया उन्होंने कहा कि किसानों को बैंक में कोई परेशानी ना हो इसलिए अलग-अलग दिनों में किसानों को धान का अलग अलग क्षेत्र के अनुसार भुगतान दिया जाएगा इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों को सही ढंग से ऋण सुविधा दे रही है जल्द ही महतारी वंदन योजना में झूटे हुए महतारियों का भी आवेदन फॉर्म भरा जाएगा प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही

हू हाथी की समस्याओं के लिए जल्द ही प्रतापपुर के आसपास सोलर फेंसिंग के कार्य सोलर हाई मास्क और पक्के मकान का भी निर्माण हाथी प्रभावित क्षेत्र में किया जाएगा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों की समस्याओं का निराकरण किया गया इस दौरान लाल संतोष सिंह अम्बिका जायसवाल रामबिलास जायसवाल कृष्णा सोनी अरविंद जायसवाल प्रफुल्ल गुप्ता अवधेश पांडे विक्रम नामदेव शाखा प्रबंधक नरेश सिंह, कैशियर मनोज गुप्ता समिति प्रबंधक कोटेया राम कलाई चौबे तनवीर आनम खान संतोष नाविक अशोक सोनी विकास जायसवाल समिति प्रबंधक चन्दौरा- विजय कुमार समिति प्रबंधक रेवटी रामेश्वर आयम समिति प्रबंधक जगन्नाथपुर राजेश सिंह सहीत अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित है।

अधिकारी आपसी समन्वय से सूचना तंत्र को करें मजबूत : कलेक्टर

धमतरी-रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आगामी 14 नवम्बर से प्रदेश सहित जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, नगरीय निकाय/त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन सहित जिले में अतिक्रमण, असंवैधानिक गतिविधियों, ओव्हरलोडिंग, अवैध रेत उत्खनन सहित विभिन्न गतिविधियों पर निगाह रखने और जिले में कानून व्यवस्था दुरुस्त बनाए रखने के संबंध में आज कलेक्टर सुनम्रता गांधी एवं पुलिस अधीक्षक आंजनेय वाण्ये ने राजस्व एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त बैठक ली। कलेक्टर ने सभाकक्ष में आहूत इस बैठक में उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को जिले के संवेदनशील धान खरीदी केन्द्र का चिन्हानकन कर नियमित पेट्रोलिंग करने तथा आपसी समन्वय बनाकर बाहरी राज्यों से धान नहीं आने पाए, यह सुनिश्चित करने कहा। साथ ही जिले की सीमाओं पर सतर्कतापूर्वक निगाह रखने के निर्देश दिए। जिले में आगामी नगरीय निकाय एवं त्रि स्तरीय

पंचायत निर्वाचन 2024-25 की सुचारू तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशानुरूप निर्वाचन कार्यक्रमों के दौरान संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से कानून व्यवस्था बनाते हुए सतर्कता से कार्य करें। उन्होंने इसके लिए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पुलिस प्रशासन के अधिकारी, तहसीलदार और थानेदारों को संयुक्त रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ इस दौरान कलेक्टर ने अब तक अधिकारियों द्वारा किए गए बेहतर प्रदर्शन की सराहना की और संवाद कर सूचना तंत्र को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि अधिकारी अतिक्रमण, अवैध खनन, हाथी प्रभावित क्षेत्र जैसे विषयों पर गंभीर एवं सतर्क रहें। कलेक्टर ने अवैध रेत खनन पर नियमानुसार संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन क्षेत्रों में हाथी विचरण कर रहे हैं, वहां के नागरिकों को मुनादी के माध्यम से सतर्क रहने की हिदायत देने भी कहा। इस

अवसर पर नगर निगम आयुक्त सुप्रिया गोयल, अपर कलेक्टर जी.आर.मरकाम, एडिशनल एस.पी. मणिशंकर चन्द्रा सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर सुनांधी ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी सजगता एवं सतर्कता के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को जिले में आने वाले पंचायत चुनाव को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के सामाजिक समस्या को चिन्हांकित कर शासन के नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण करने के निर्देश दिए, जिससे आगे चलकर इनसे किसी प्रकार की लोक शांति भंग होने की स्थिति निर्मित ना हो। कलेक्टर ने अनुविभागवार लॉ एंड ऑर्डर की समस्याओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत रहने कहा। साथ ही लॉ एंड ऑर्डर की समस्याओं को जानकारी वाले विवादों के कारणों का पता कर समस्याओं का तत्परता से निराकरण के निर्देश दिए।

उन्होंने जिले में घटित होने वाली छोटी-बड़ी घटनाओं एवं कानून व्यवस्था का उल्लंघन की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए लापरवाही नहीं बरतने एवं उस पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिससे कोई भी छोटी घटना बड़ा रूप न ले सके। उन्होंने संवेदनशील मामलों में नजर रखकर त्वरित कार्यवाही करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन को आपसी समन्वय बनाकर रखने तथा सूचनाओं का आदान-प्रदान करने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी टीम के रूप में एक-दूसरे को सहयोग करेंगे तभी समस्याओं का सुचारू समाधान होगा। पुलिस अधीक्षक आंजनेय वाण्ये ने जिले में हो रही विभिन्न गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए रखने एवं सामाजिक समरसता के लिए कानून व्यवस्था का कड़ाई से पालन कराने हेतु बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि केशकाल घाटी में मरम्मत कार्य चल रहा है, जिसकी वजह से घाटी से

गुजरने वाले वाहन धमतरी जिले से होते हुए गुजर रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को वाहनों पर नियमित निगाह रखने, आवागमन सुव्यवस्थित रखने और दुर्घटना ना घटे इसके लिए सतर्क रहने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी तरह की असंवैधानिक गतिविधियों पर नियंत्रण लगाना सभी अधिकारियों की संयुक्त जिम्मेदारी है। इसके लिए अधिकारी अपने सूचना तंत्र को सक्रिय एवं मजबूत बनाए रखें। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई भी असामाजिक गतिविधि, जो कानून व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है, उस पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त रहने वाले व्यक्तियों को पहचान कर उनकी जानकारी पैनी नजर बनाए रखने एवं अलावा सभी एसडीएम, एसडीओपी तथा तहसीलदार और थाना प्रभारी को संयुक्त बैठक कर समस्याओं पर चर्चा करने कहा, जिससे किसी भी घटना एवं चुनौती का सामना करने में आसानी हो।

आदतन अपराधियों व हिस्ट्रीशीटरो के खिलाफ पुलिस की सख्ती जारी सख्त कार्यवाही

मुंगेली-रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। पुलिस अधीक्षक मुंगेली भोजराम पटेल के निर्देशन में आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव के दृष्टिगत आज मुंगेली पुलिस द्वारा जिले में निवासरत समस्त निगरानी बदमाश एवं गुंडा बदमाशों की चेकिंग के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान में जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीम

द्वारा क्षेत्र अंतर्गत निवासरत गुंडा एवं निगरानी बदमाशों को प्रातः 06.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे के मध्य उनके निवास स्थान पर जाकर भौतिक रूप से चेक किया गया। इसमें आरोपियों के वर्तमान में प्रयुक्त मोबाइल नम्बर, उनके आजीविका के साधन, उनके निवास आदि में हुए परिवर्तन सहित अन्य डिजीटल जानकारीयें एकत्र की गयी। चेकिंग अभियान में गुंडा तथा

निगरानी बदमाशों के आजीविका के वर्तमान साधनों, व्यवसाय, रहन सहन के बारे में जानकारी ली गयी तथा इन्हें आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने हेतु कड़ी चेतावनी दी गयी। इस दौरान अपने निवास स्थान से फार बदमाशों का बीसी रोल एवं चलन तहरीर जारी करने की प्रक्रिया का जारी है। मुंगेली में वर्तमान में 50 से भी अधिक निगरानी बदमाश एवं गुंडा बदमाश है।

आवास मित्र भर्ती के लिए दस्तावेज सत्यापन 22 एवं 23 को

महासमुंद, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास मित्र/समर्पित मानव संसाधन भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त ऑनलाइन आवेदन के अनुसार अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर ली गई है। अभ्यर्थियों द्वारा सूची एवं दस्तावेज सत्यापन प्रारूप का अवलोकन जिले की वेबसाइट पर किया जा सकता है। जिला पंचायत सीईओ श्री एस. आलोक ने बताया कि सूची में शामिल अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन प्रारूप और आवश्यक दस्तावेजों की स्व-प्रामाणित प्रतियां लेकर उपस्थित होना है। दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया जिला पंचायत महासमुंद के सभाकक्ष में 22 और 23 नवंबर 2024 को प्रातः 9:00 बजे से आयोजित की जाएगी। इनमें क्रमांक 1 से 1200 तक के अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन 22 नवंबर को तथा क्रमांक 1201 से 2422 तक के अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन 23 नवंबर 2024 को होगा।

शिव शिष्य समिति का हुआ विस्तार, चंद्रिका कुशवाहा पुनः जिलाध्यक्ष नियुक्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

प्रतापपुर, मानपुर शिव मंदिर प्रांगण में जिला स्तरीय शिव शिष्य समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के विस्तार और शिव कार्य को गति देने के लिए सूरजपुर जिले की नई 21-सदस्यीय समिति का गठन किया गया। सदस्यों ने सर्वसम्मति से चंद्रिका कुशवाहा को पुनः समिति का जिलाध्यक्ष चुना है। चंद्रिका कुशवाहा के नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलने की आशा जताई गई। वहीं, रामशरण राजवाड़े को उपाध्यक्ष, अजय कुमार साहू को सचिव, और जानकी राम राजवाड़े को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों की सूची

जिला कार्यकारिणी में शामिल अन्य सदस्यों में वकील प्रसाद चौधरी, श्रीमती सुमित्रा रज्जक, श्रीमती अनु सिंह, श्रीमति कलेश्वरी सिंह, धुरन राम सारथी, सोहन



राम सारथी, अवधेश यादव, श्रीमती डॉ चंदा सिंह मरकाम, श्रीमती सौतिलोतामा पैकरा, श्रीमती सुमित्रा राजवाड़े, धुनेश्वर प्रसाद, गोपाल देवानं, मंगलसाय प्रजापति, लखन ठाकुर, प्यारेलाल विश्वकर्मा, विजय सिंह और रजिंदर सिंह को शामिल किया गया।

विशेष अतिथियों की उपस्थिति

बैठक के दौरान बलरामपुर जिले से पंचम कुशवाहा और कृष्णा सिंह, सूरजपुर जिले से मनीषा सिंह और पार्वती, तथा

लखनपुर से बिहारी यादव सहित बड़ी संख्या में शिव शिष्य परिवार के गुरु भाई-बहन उपस्थित रहे।

सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वास के खिलाफ अभियान

समिति ने यह स्पष्ट किया कि उनका मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वास को समाप्त करना है। शिव

चर्चा कार्यक्रम के माध्यम से जनजागरूकता फैलाने और आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रयास तेज किए जाएंगे।

संगठन की भूमिका पर जोर

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि शिव शिष्य समिति के विस्तार से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। यह समिति जिले में शिव चर्चा कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करेगी। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और समर्पित कार्यों के माध्यम से समाज को सही दिशा में अग्रसर करने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा।

समाप्ति और मावी योजनाएं

बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने संगठन को एकजुट होकर आगे बढ़ाने और शिव के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाते हुए, शिव चर्चा और जनकल्याणकारी गतिविधियों को गति देने की रूपरेखा तय की गई।

बस्तर के धुड़मारास गांव ने विश्व

पर्यटन मानचित्र में बनाई अपनी जगह

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के उन्नयन कार्यक्रम के लिए चयनित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। बस्तर जिले के छोटे से गांव धुड़मारास ने देश और दुनिया में अपनी अनाखी पहचान बनाई है। बस्तर जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित धुड़मारास गांव को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के उन्नयन कार्यक्रम के लिए चयनित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के पर्यटन ग्राम उन्नयन कार्यक्रम के लिए 60 देशों से चयनित 20 गांवों में भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के धुड़मारास ने भी अपनी जगह बनाई है। मुख्यमंत्री सायने इस उपलब्धि के लिए पर्यटन विभाग की टीम के साथ ही बस्तर जिला प्रशासन

तथा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धुड़मारास की सफलता का मुख्य श्रेय यहां के स्थानीय निवासियों को जाता है, जिन्होंने अपने पारंपरिक ज्ञान और संसाधनों को संरक्षित रखते हुए इसे आकर्षक पर्यटक स्थल में बदल दिया है। धुड़मारास प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। बस्तर के अद्भुत आदिवासी जीवनशैली, पारम्परिक व्यंजन, हरियाली और जैव विविधता से समृद्ध यह गांव पर्यटकों के लिए एक आकर्षक ही नहीं बल्कि रोमांचक स्थल है। धुड़मारास गांव दुनिया भर के उन 20 गांवों में से एक है जिसे सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव उन्नयन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चुना गया है। धुड़मारास को इसकी अतूट

सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और सतत पर्यटन विकास की क्षमता के कारण चुना गया है। उन्नयन कार्यक्रम में शामिल होने से गांव को उन संसाधनों तक पहुंच प्राप्त होगी जो इसके पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, सांस्कृतिक संपत्तियों को बढ़ावा देने और ग्रामवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार में मदद करेंगे। विश्व स्तर पर पर्यटन गांव के रूप में इस गांव की पहचान स्थापित होने का तात्पर्य यह भी है कि लंबे समय के बाद बस्तर में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में इजाजा हुआ है। उल्लेखनीय है कि धुड़मारास तथा बस्तर के ही चित्रकोट गांव को इस वर्ष 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव का पुरस्कार मिला था।

वनवासी कल्याण आश्रम ने मनाया जनजाति गौरव दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम जिला समिति सूरजपुर ने सरस्वती शिशु मंदिर सभागृह विश्रामपुर में वासुदेव यादव प्रांतीय सचिव अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम केन्द्र जशपुर के मुख्य आतिथ्य में जनजाति गौरव दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा एवं जनजाति गौरव दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल 25 वर्ष की अल्प आयु में ही इतना महान कार्य किए कि आज भी गौरव के साथ न केवल झारखंड अपितु संयुक्त राष्ट्र उन्हें आदर्श मानता है। भगवान बिरसा मुंडा ने नए पथ की नई डाली जिसे



बिरसाइत पंथ कहा जाने लगा। उनकी जयंती हमारे जनजाति समाज की आत्म गौरव का दिन है। ऐसे हमारे महानायक के चरित्र से देश, धर्म, संस्कृति की रक्षा की प्रेरणा मिलती है। भारतीय जनजाति संस्कृति, सामाजिक एवं पारंपरिक मूल्यों तथा जनजाति जननायकों के गौरव को स्मरण तथा सम्मान करने हेतु भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय केन्द्र सरकार ने 15 नवंबर

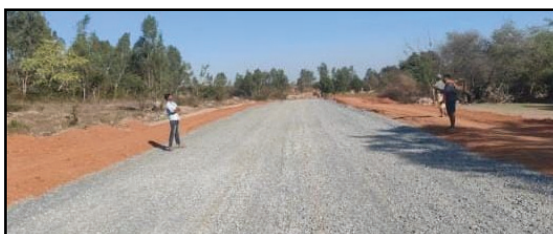
2021 को लिया था। तभी से निरंतर जनजाति गौरव दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन नगर समिति के अध्यक्ष महेश गुप्ता तथा आभार जिला अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री गोपाल राम, रामधनी, संरक्षक चरण सिंह अग्रवाल, कुलवंत सिंह, पार्षद रविशंकर बडवा, अमरेश प्रसाद, सीमांचल त्रिपाठी, संजोत कुमार सिंह सहित बाल संस्कार केन्द्र की छात्राएं उपस्थित थीं।

ओवरब्रिज निर्माण कार्य को ठेकेदार ने छोड़ा अधूरा

अमानक स्तर के अधूरे निर्माण कार्य से लोगों को परेशानी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम पंचायत जयनगर में बनाया जा रहा रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कार्य महीनों से बंद पड़ा हुआ है। निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा आधा अधूरा अमानक स्तर का कार्य कराकर पल्ला झाड़ लिया गया है। ऐसी स्थिति में उक्त निर्माण कार्य के अत्यंत निर्धारित अवधि में पूर्ण करा पाने पर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत जयनगर में स्थित रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण कार्य हेतु करीब अट्ठाईस करोड़ रुपए की स्वीकृति केन्द्र सरकार द्वारा दी गई है। जिसमें अगस्त 2023 में ओवरब्रिज निर्माण कार्य हेतु कार्य अदिस जारी



करते हुए डेढ़ वर्ष में कार्य को पूर्ण करने की तिथि निर्धारित की गई है। ओवरब्रिज निर्माण कार्य का ठेका कोरबा के मेसर्स अशोक कुमार भिल्ल को मिला है। बताया जा रहा है कि यहां पर ठेकेदार द्वारा कार्य की शुरुआत तो करा दी गई लेकिन आधा अधूरा अमानक स्तर का कार्य कराकर कुछ माह पूर्व ही कार्य को बंद करा दिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा यहां पर नाली निर्माण कार्य शुरू कराया गया लेकिन वह भी आज

तक पूर्ण नहीं किया जा सका है। कार्य में भी विभागीय अधिकारियों के सतत मॉनिटरिंग के अभाव में अमानक स्तर का आधा अधूरा ही कार्य कराया गया है, जिस वजह से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि यहां पर ओवरब्रिज निर्माण कार्य हेतु करीब 97 लोगों का भूमि अधिग्रहण कार्य भी किया गया है लेकिन अब तक केवल 73 लोगों का ही मुआवजा राशि जारी हो सका है। ग्रामीणों ने बताया कि



ठेकेदार द्वारा जगह जगह नाली अधूरा कार्य व गड्ढा खोदकर छोड़ दिया जाने से लोगों को बेवजह खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में विभागीय अधिकारियों की उदासीनता की वजह से लोगों में खासी नाराजगी व्याप्त है। ऐसी स्थिति में अंदाजा

लगाया जा सकता है कि ठेकेदार द्वारा अपने निर्धारित समय अवधि में कार्य को किस तरह गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूर्ण करा सका, यह बड़ा सवाल है। ग्रामीणों द्वारा विभागीय अधिकारियों से अखिलंब उक्त अधूरे बंद पड़े निर्माण कार्य को शुरू कराए जाने की मांग की है।

बाईपास मार्ग भी अधूरा

जयनगर रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण कार्य हेतु ठेकेदार द्वारा केनापारा पर्यटन स्थल से विश्रामपुर अंबेडकर चौक तक बाईपास सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। बावजूद इसके अधिकारियों की उदासीनता से उक्त कार्य को भी ठेकेदार द्वारा आधा अधूरा अमानक स्तर का कार्य कराकर छोड़ दिया गया है।

गत वर्ष के मुकाबले सभी धान खरीदी केंद्रों में बढ़ गए कृषक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रदेश में गत वर्ष नए सरकार के प्रदत्त संभालने के बाद समर्थन मूल्य में धान खरीदी कृषकों के लिए लाभ का सौदा साबित हो रहा है। धान के समर्थन मूल्य में वृद्धि और बोनस जोड़कर गत वर्ष से 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी के निर्णय के बाद गत वर्ष इसी दर पर धान खरीदी कर कृषकों को भुगतान किया गया। इस वर्ष प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक हर धान खरीदी केंद्रों में बड़ी संख्या में नए कृषकों ने पंजीयन कराया है। जयनगर समिति प्रबंधक श्याम लाल प्रजापति ने बताया कि जयनगर समिति और खरीदी केंद्र केशवनगर में इस वर्ष डेढ़ सौ नए कृषकों ने धान विक्रय के लिए समिति में अपना पंजीयन कराया है। गत वर्ष दोनों समितियों में 1181 कृषकों का पंजीयन था जबकि इस वर्ष डेढ़ सौ नए



कृषकों के पंजीयन के बाद अब 1247 कृषक हो गए हैं। केशवनगर खरीदी केंद्र में गत वर्ष 25284 क्विंटल जबकि जयनगर में 29807 क्विंटल धान की खरीदी की गई थी। कन्दरई धान खरीदी केंद्र के प्रबंधक इंद्रेश जायसवाल ने बताया कि

गत वर्ष 1258 जबकि इस वर्ष 68 नए कृषकों ने धान विक्रय के लिए पंजीयन कराया है, इस प्रकार यहां अब 1326 कृषक से इस वर्ष धान खरीदी की जानी है। गत वर्ष यहां 75566 क्विंटल धान की खरीदी की गई थी।

रामनगर खरीदी केंद्र के प्रबंधक तुलेश्वर प्रजापति ने बताया कि गत वर्ष 1315 कृषकों ने धान खरीदी के लिए पंजीयन कराया था जबकि इस वर्ष 84 नए किसानों ने पंजीयन कराया है, यहां अब 1399 किसान इस वर्ष धान विक्रय के लिए पहुंचेंगे। गत वर्ष यहां 65550 क्विंटल धान की खरीदी की गई थी। सिलफिली खरीदी केंद्र प्रभारी विनोद जायसवाल ने बताया कि गत वर्ष 1291 कृषकों का पंजीयन था इस वर्ष यहां 93 नए कृषक जुड़े हैं। अब यहां 1384 कृषक हो गए हैं जिनसे इस वर्ष धान खरीदी की जानी है। गत वर्ष यहां 66480 क्विंटल धान खरीदी हुई थी। वहीं लटोरी खरीदी केंद्र प्रभारी भोला सिंह ने बताया कि इस वर्ष सर्वाधिक 160 नए कृषकों ने पंजीयन कराया है। गत वर्ष यहां 1854 कृषकों का पंजीयन था अब 2014 कृषकों से इस खरीफ सीजन में धान खरीदी किया जाएगा। गत वर्ष यहां

एक लाख एक हजार पांच सौ चौतीस क्विंटल धान खरीदी की गई थी।

पूर्व में 14.80 प्रति एकड़, अब प्रति एकड़ 21 क्विंटल की जा रही खरीदी

बताया जा रहा है कि पूर्ववर्ती सरकार कृषकों से प्रति एकड़ 14.80 क्विंटल धान खरीदी करती थी। वर्तमान सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी कर रही है। पूर्व सरकार जहां 2500 रुपए क्विंटल धान खरीदी करती थी वहीं भाजपा सरकार 3100 रुपए क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। इससे भी किसानों का समितियों में अधिक से अधिक मात्रा में धान विक्रय करने रुचि बढ़ी है। जिस वजह से भी एक परिवार के लोग खाता अलग अलग कर नया पंजीयन कर अपने नाम से धान की बिक्री कर रहे हैं।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक में मारी टक्कर, पिता की मौत

● दो बेटियां व बहोई घायल, ट्रामा में भर्ती कर इलाज जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

निगोहां निगोहां के अहिनवार धाम का मेला देखकर शुरूवार को वापस घर जा रहे एक परिवार की बाइक में मंगटईया मोड़ के पास तेज रफ्तार इंट लदी ट्रैक्टर-ट्राली ने सामने से गिराकर टक्कर मार दी, दुर्घटना में बाइक चला रहे पिता समेत दो बेटियां व बहोई गम्भीर रूप से घायल हो गये पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिये एम्बुलेंस से ट्रामा सेंटर भेजा, जहां मौजूद डॉक्टर ने पिता को मृत घोषित कर दिया पुलिस ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा। मोहनलालगंज के भरसवा गांव

निवासी संजय गौतम ने बताया चचेरा भाई राजू (35 वर्ष) अपनी बेटे कात्या व आराध्य व बहोई रतिपाल निवासी लोनी कटप जनपद बाराबंकी के साथ बाइक से शुरूवार को अहिनवार धाम का मेला देखने गया था, जहां सरोवर में स्नान कर मेला देखने के बाद सभी एक ही बाइक से वापस घर लौट रहे थे, बाइक बहोई रतिपाल चला रहा था जैसे ही बाइक से चारो निगोहां के मंगटईया मोड़ के पास पहुंचे ही थे कि तभी इंट लदी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने सामने से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिसके बाद बाइक से छिटककर राजू ट्रैक्टर ट्राली के पहिये के नीचे आ गया और गम्भीर रूप से घायल हो गया और उसकी बेटिया व बहोई भी घायल हो गये।

परीक्षा देने प्रयागराज गई युवती का अपहरण, मुकदमा दर्ज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। सहेली की बर्थडे पार्टी में जाने के बाद परीक्षा देने गई युवती सहित दो अन्य युवतियों को युवक ने अपहरण कर लिया। महिला को तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सर्विसलांस की मदद से आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। रहींमाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने तहरीर के माध्यम से बताया कि बीते पिछले महीने 26 अक्टूबर को उनकी 18 वर्षीय बेटेटी घर से सहेली की बर्थडे पार्टी में जाने की बात कहकर निकली थी। बेटेटी को सहेली के घर से जनपद प्रयागराज परीक्षा देने जाना था। परीक्षा के कई दिन बाद भी वह नहीं लौटी। काफी इधर उधर खोजबीन की, पर बेटेटी का

कुछ पता नहीं चल सका उन्होंने बेटेटी के मोबाइल नंबर पर सम्पर्क किया तो बेटेटी का फोन किसी कोमल नाम की लड़की उठा रही है। उसने फोन पर बताया कि उन्हें, आपकी बेटेटी और अन्य लड़कियों को सोनी नामक महिला ने परीक्षा के लिए बुलाया था। सोनी के साथ रहान भी था। रहान तीनों लड़कियों को लेकर कहीं चला गया था। कुछदिन बाद सिर्फ वापस रहान लौटा और तीन लड़कियों के मोबाइल कोमल को दे गया। पीड़िता ने बेटेटी के साथ अनहोनी की आशंका जताते हुए स्थानीय थाने पर मुकदमा दर्ज कराया है। इस संबंध में रहींमाबाद एसओ अनुभव सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर सर्विसलांस की मदद से आरोपी की तलाश की जा रही है।

अंतर्जनपदीय बाइक चोर गैंग का सरगना गिरफ्तार, तीन बाइक बरामद

● साढ़े तीन महीने से फरार चल रहे सरगना पर घोषित था 15हजार रुपए का ईनाम, मोहनलालगंज पुलिस व सर्विलांस की संयुक्त टीमों ने सरगना को गिरफ्तार कर भेजा जेल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज पुलिस व सर्विलांस की संयुक्त टीमों ने गुरूवार को अंतर्जनपदीय बाइक चोर गैंग के सरगना मो० आरिफ को गिरफ्तार कर चोरी की तीन बाइकें बरामद की हैं। साढ़े तीन महीने पहले पुलिस गैंग के दो सदस्यों को दस चोरी की बाइकों के साथ गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेज चुकी है। सरगना पर बहराइच के थाने समेत लखनऊ के जानकीपुरम व मोहनलालगंज में चोरी समेत अन्य धाराओं में 14मुकदमें दर्ज हैं। डीसीपी दक्षिणी ने 2 सरगना पर 15हजार का ईनाम भी घोषित कर रखा था। एडीसीपी राजेश यादव ने एसीपी रजनीश वर्मा की मौजूदगी में दक्षिणी जेन पुलिस



कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में बताया पत्रकारों को बताया मोहनलालगंज कोतवाली पुलिस और सर्विलांस की संयुक्त टीमों ने गुरूवार को बाइक चोरी करने वाले गैंग के फरार चल रहे सरगना व 15हजार का ईनाम मो० आरिफ उर्फ भूरे उर्फ खुशनवाज निवासी चांदपुरा गोशमण्डी थाना कोतवाली नगर जनपद बहराइच को मोहनलालगंज के अतरीली तिराहे से गिरफ्तार किया पुलिस ने सरगना की निशादेही पर चोरी की तीन बाइकें व 6980रुपए बरामद किये। सरगना मो० आरिफ ने

मोहनलालगंज के मौरावां तिराहे के पास से जुलाई महीने में पल्सर व तहसील गेट के पास से मार्च महीने में पैशन प्रो बाइक चोरी की घटना

मल्टीमीडिया फोन का नहीं करता था इस्तेमाल...

बेहद शातिर किस्म का बाइक चोरी गैंग का सरगना कभी भी मल्टीमीडिया मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करता था वो नॉर्मल कालिंग फोन का इस्तेमाल करता था और उसी फोन से गैंग को आपर्ते करता था एक दो बाइकें चुराने के बाद सिम व फोन बदल देता था जिससे उसकी लोकेशन ना ट्रेस हो सके और वो पुलिस के हथिये ना चढ सके। सरगना हर दो महीने में किराये पर लिया कमरा भी बदल देता था जिससे पुलिस गिरफ्तार ना कर सके लेकिन साढ़े तीन महीने से चकमा दे रहे सरगना को पकड़ने के लिये पुलिस ने ऐसा जाल बिछाया की आखिरकर वो पुलिस के हथिये चढ गया।

को अंजाम देने की बात कबूलते हुये चुराई गयी दोनो बाइको कटवाकर बेचने की बात बताई। एडीसीपी राजेश यादव ने 15हजार के ईनामी सरगना को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम के उपनिरीक्षक वीर बहादुर दुबे, साजिद अली, प्रिंशु उपनिरीक्षक अतुल सिंह व सर्विलांस टीम के प्रभारी अजीत कुमार पांडे, हेड कांस्टेबल बदी विशाल तिवारी, कास्टेबल सुनील कुमार, कास्टेबल रविन्द्र सिंह, जितेन्द्र कुमार, अरूण यादव, विकास जायसवाल को हौसला अफजाई करते हुये बंधाई दी।

लखनऊ से लेकर मथुरा तक

आठ डॉक्टर होंगे बर्खास्त

● उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का ताबड़तोड़ एक्शन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। लंबे समय से बिना बताए ड्यूटी से गायब चल रहे आठ डाक्टरों को बर्खास्त किया जाएगा। जिन चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई होगी उनमें मथुरा के तीन, कासगंज, बाराबंकी, बागपत, लखनऊ व बहराइच का एक-एक चिकित्सक शामिल है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की ओर से इन सभी चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिन आठ डाक्टरों को बर्खास्त किया जाएगा उनमें मथुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बलदेव में

तैनात जनरल फिजिशियन डा. अनीता, जिला संयुक्त चिकित्सालय वृंदावन की नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. निधि वर्मा और सीएचसी फरह में तैनात स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. राधिका पराशर शामिल हैं। ऐसे ही कासगंज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) नमैनी के चिकित्साधिकारी डा. आशीष कुमार, बाराबंकी सीएमओ के अधीन तैनात चिकित्साधिकारी डा. एम ताहिर, बागपत की पीएचसी रटौल में तैनात चिकित्साधिकारी डा. रविन्द्र कुमार, लखनऊ के लोकबंशु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय में तैनात जनरल सर्जन डा. आशीष कुमार सिंह एवं बहराइच की सीएचसी पयागपुर में तैनात दंत शल्यक केंद्र (सीएचसी) बलदेव में

वर्तमान में महत्वपूर्ण प्रश्न है कि तीव्र गति से जनसंख्या व गरीबों की संख्या बढ़ाने वाले भारत जैसे देश में कारक का ढांचा कैसा हो ?

वर्तमान में विश्व की लगभग सभी सरकारों का ध्यान विकास के आदर्श स्थितियों को धुला चुकी है। यही कारण है कि विश्व के अधिकतर देशों की सरकारें अप्रत्यक्ष कर पर प्रमुखता से ध्यान देती हैं। इसके क्षेत्र की व्यापकता के कारण इसमें की जाने वाली अल्प सी वृद्धि भी सरकार के राजस्व में बहुत बड़ी वृद्धि कर देती है। सरकारों के सामाजिक दायित्व निर्वहन में कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके द्वारा सरकारें अशक्त एवं निर्धन वर्ग को, उनकी न्यूनतम जीवनावश्यक आवश्यकताओं की आपूर्ति करने में सहायता करती हैं। जिसके लिये सरकारों को धनी व समृद्ध वर्ग से अधिक कर वसूलने का प्रचलन होना चाहिये, ताकि गरीब वर्ग को आर्थिक सहायता प्रदान कर सरकारें दोनों वर्गों के बीच की आय के अन्तर को कम कर सकें, जो वर्तमान में बहुत अधिक है। इस प्रकार की व्यवस्था बनाने के लिये आवश्यक है कि सरकारें अप्रत्यक्ष कर के स्थान पर प्रत्यक्ष कर लगाने व उसे वसूलने पर अधिक ध्यान दें। तथ्य यह है कि जिस वर्ग की आय अधिक होती है, उस वर्ग का सरकारों पर प्रभाव भी अधिक होता है। यह वर्ग सरकार को प्रभावित कर स्वयं को कर के बोझ से बचाने के सतत प्रयत्न में लगा रहता है तथा अपने प्रयास में सफल भी होता है। यही कारण है कि भारत जैसे 140 करोड़ जनसंख्या वाले देश में प्रत्यक्ष कर चुकाने वालों की संख्या मात्र 30 लाख है। जिसके कारण देश के 1 प्रतिशत लोगों का 53 प्रतिशत सम्पदा पर स्वामित्व है। यह आंकड़ा यदि और बढ़ाये तो देश के 5 प्रतिशत लोगों का 68.6 प्रतिशत तथा 10 प्रतिशत लोगों का 76.3 प्रतिशत सम्पदा पर अधिकार है। शेष 90 प्रतिशत लोगों की पहुँच व संघर्ष शेष बची सम्पदा के मात्र 23 प्रतिशत भाग लिये है। उसमें भी देश के सबसे

गरीब वर्ग के हाथ मात्र 4.1 प्रतिशत सम्पदा ही आती है। यह आंकड़े देश में।। की असम का स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करने में सक्षम है। यदि इन आंकड़ों का विश्लेषण करें तो 53 प्रतिशत सम्पदा के स्वामी मात्र 1 प्रतिशत के बाद लोगों की संख्या बढ़ाने के बाद सम्पदा का प्रतिशत अधिक नहीं बढ़ता। प्रथम 1 प्रतिशत संख्या में अन्य 4 प्रतिशत जोड़ने पर सम्पदा में मात्र 15.6 प्रतिशत वृद्धि होती है। जब इसमें अतिरिक्त 5 प्रतिशत लोगों को जोड़ा जाता है तो सम्पदा में 7.7 प्रतिशत की ही वृद्धि होती है, जो धनाढ्य वर्ग के मध्य भी सम्पदा के विशालकाय अन्तर को स्पष्ट करता है। चिन्ता की बात यह है कि इस वृद्ध सम्पदा के स्वामियों का सरकार द्वारा वसूले जाने वाले राजस्व में निर्धन व्यक्तियों की तुलना में मात्रिक व अनुपातिक सहभाग नहीं दिखता। कर निरूपण की इस व्यवस्था के कारण निर्धन व्यक्ति की निर्धनता में निरन्तर वृद्धि होने के साथ ही धन की असमानता में तीव्र गति से वृद्धि हो रही है। यह स्थिति सिर्फ भारत की नहीं है, सम्पूर्ण विश्व का यही हाल है। विद्वान्मना यह है कि इस स्थिति में सुधार लाने के लिये किसी प्रकार के विशेष प्रयत्न भी नहीं किये जा रहे हैं। वर्तमान में महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि तीव्र गति से जनसंख्या व गरीबों की संख्या बढ़ने वाले भारत जैसे देश में करों का ढांचा कैसा हो ? वैसे यह चुनौती भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के सामने है। यू.एन.ओ. द्वारा जारी किये गये नवीन आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2030 तक भारत की जनसंख्या चीन से अधिक 1 अरब 50 करोड़ हो जायेगी। जो वर्तमान में 1 अरब 41 करोड़ है। वर्तमान में पूरी दुनिया की जनसंख्या 760 करोड़ है, जिसका सीधा अर्थ है कि भारत व चीन में दुनिया के 37 प्रतिशत लोग रहते हैं।



में दुनिया के 6.5 करोड़ लोग शरणार्थी जीवन जीने के लिये मजबूर हैं। विश्व की 6 करोड़ 20 लाख लड़कियों की पढ़ाई प्रतिवर्ष छूट जाती है। विकासशील देशों की 11 करोड़ लड़कियों को 5वीं कक्षा के आगे शिक्षा नहीं मिल पाती। 166 करोड़ लोगों को पीने के लिये शुद्ध जल उपलब्ध नहीं है। विश्व में प्रतिवर्ष 1 करोड़ 20 लाख लोग पानी की कमी के कारण मर जाते हैं। दुनिया की प्रसिद्ध कम्पनी फ्रेड्रिक सुइस, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड के अनुसार विगत 15 वर्षों में देश की सम्पत्ति में 2.28 खरब डॉलर की वृद्धि हुई, जिसका 61 प्रतिशत भाग देश के सबसे अमीर 1 प्रतिशत लोगों के हाथों में गया। यदि इस वृद्धि के 81 प्रतिशत भाग की बात करें तो यह देश के सबसे अमीर 10 प्रतिशत लोगों को प्राप्त हुआ। शेष बची 90 प्रतिशत आबादी को इस वृद्धि के 19 प्रतिशत भाग से ही संतोष करना पड़ा। यह सब आंकड़े यहाँ पर इसलिये दिये गये हैं, ताकि ग्राहक आन्दोलन के कार्यकर्ता दुनिया के आर्थिक मानचित्र से परिचित हो सकें। कहीं ऐसा न हो कि कार्यकर्ता वस्तुओं और सेवाओं की तृप्तियों में उलझे रहें और ग्राहकों के हाथों से उन वस्तुओं व सेवाओं को खरीदने की आर्थिक क्षमता ही फिसल जाये। शोषण मुक्त समाज तथा आर्थिक लोकतन्त्र की स्थापना के लिये कार्यकर्ताओं का इस क्षेत्र पर दृष्टि रखना आवश्यक है, जिससे आर्थिक संरचना को वह मोड़ दिया जा सके, जिसमें इस आर्थिक असमानता में कमी आये तथा विकास के समुचित लाभ र्णिक के अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुँच सकें। यदि समाज की वर्तमान आर्थिक स्थितियों की

बात की जाये तो अपने देश में गंगा उल्टी बह रही है। दिसम्बर 2015 में प्रसिद्ध फ्रेंच अर्थशास्त्री तोमा पिकेती मुम्बई आये थे। एक समारोह में 'इंडिया इज ए वेस्टली अनईक्वल सोसायटी' विषय पर अपने विचार रखते हुये उन्होंने कहा - उनके यह विचार न्यूयॉर्क टाइम्स में भी छप चुके हैं - भारत के एलीट पाखंडी लगते हैं, क्योंकि आर्थिक असमानता समाप्त करने के लिये वह अपनी सरकार से आर्थिक विकास का वह बुनियादी ढांचा बनाने के लिये कहते हैं, जिसमें चुनिंदा उद्योगों में संसाधन झोकने की अपील की जाती है। पिकेती आगे कहते हैं कि सम्भन्ता वर्ग की इस अपील में सरकार से घुमाफिरा कर अपनी सेवा कर्तव्य का लक्ष्य रहता है। पिकेती का स्पष्ट मानना है कि विकास के लिये आर्थिक असमानता में कमी आयेगी। 'कैपिटल इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' नाम की अपनी नवीन पुस्तक में पिकेती लिखते हैं कि बढ़ती आर्थिक असमानता को कम करने के लिये अर्बपतियों पर भारी भरकम टैक्स लगाया जाना चाहिये। उनका मानना है कि आर्थिक असमानता भी समाज केलिये सामाजिक असमानता के समान ही घातक है। यह स्पष्ट है कि वर्तमान कराधान आदर्श माने जाने वाले उन नियम सिद्धान्तों से बहुत दूर है। समाज के निर्धन वर्ग को अमीरों की तुलना में कहीं अधिक कर का बोझ उठाना पड़ रहा है। यह मात्रात्मक एवं अनुपातिक दोनों स्वरूपों में है। ग्राहक आन्दोलन द्वारा इस विषय में गम्भीर विचार करना आवश्यक है। सरकारों पर दबाव बनाने की भी आवश्यकता है। आज हम उस स्थिति में पहुँच चुके हैं, जहाँ इस दिशा में छोटे छोटे कदम प्रभावहीन सिद्ध होंगे। अतएव एक संयुक्त व बड़ा कदम उठाने की आवश्यकता है। ग्राहक करों के बोझ से दो

प्रकार से प्रभावित होते हैं। प्रथम तो निर्धन ग्राहक अपनी क्षमता से अधिक कर के रूप में धन सरकार को देते हैं। दूसरे प्रकार धनाढ्य वर्ग की तुलना में बहुत कम आर्थिक अनुदान ग्राहकों के इस निर्धन वर्ग को देती है। प्रसिद्ध पत्रकार पी साईनाथ 13 मार्च 2015 के अपने लेख 'रकॉर्डेड कर्जा माफी सोर्स अट सोशल स्पेंडिंग न्यू लोअर्स' में केन्द्रीय बजट 2015-16 के हवाले से लिखते हैं:- इस वर्ष कापोरेंट जगत को दो जाने वाली करों की छूट 42 खरब रूपयों तक पहुँच गई है, जबकि सामाजिक हित के उन कार्यक्रमों को दिया जाने वाला धन, जिनसे निर्धन वर्ग को लाभ मिलता है, कहीं कम है। सोने, हीरे व आभूषणों पर उत्पादन शुल्क की छूट 75,592 करोड़ रूपए की गई है, जो महामत्ता गाँधी ग्रामीण रोजगार योजना के लिये उपलब्ध कराये गये धनकी दोगुनी राशि है। जबकि अत्यधिक महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा के लिये दिया गया धन मात्र 34,699 करोड़ रूपए है, जो अमीरों को सोने, हीरे व आभूषणों पर दी गई छूट की आधी रकम ही है। वर्ष 2014-15 में धनाढ्य वर्ग को दी गई कर की छूट का विवरण निम्न है - कापोरेंट जगत को माफ किया गया आयकर 62,399 करोड़ रूपए। उत्पादन शुल्क में दी गई छूट 1.84 लाख करोड़ रूपए। आयात शुल्क में दी गई छूट 3.01 लाख करोड़ रूपए। कुल 5.49 लाख करोड़ रूपए। इसी प्रकार कापोरेंट जगत को बजट में आयकर उत्पादन शुल्क तथा आयात शुल्क में 5.49 लाख करोड़ की छूट दी गई है। यह छूट पिछले 10 वर्षों में दी जाने वाली सबसे बड़ी छूट है। 110 वर्षों की बात इसीलिए कहीं जा रही है क्योंकि सरकार ने केन्द्रीय बजट में 2004-5 से ही यह आंकड़े लिखने प्रारंभ किए हैं। लेखक उमेश पासवान का अपना विचार है।

गौरव दिवस

पुरंदर मिश्रा



हम जो भी करेंगे वह कर्म

'इगोसैटिक' कर्म को वे कर्म कहते हैं। ऐसे कर्म को, जिसमें कर्ता मौजूद है। जिसमें कर्ता यह विचार करके ही कर रहा है कि करने वाला मैं हूँ। जब तक मैं करने वाला हूँ, तब तक

आइसक्रीम की एक डिश

एक बार एक छोटा सा लड़का एक होटल में गया। कुछ ही देर में वहाँ वेटर आया और उसने पूछा आपको क्या चाहिए सर? छोटे बच्चे ने उल्टा पूछा। वैनिला

जनजातीय गौरव दिवस एक अवसर

जनजातीय गौरव दिवस, स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे मकसद, आने वाली पीढ़ियों को देश के लिए उनके बलिदानों के बारे में जागरूक करना है। आदिवासी समुदाय, बिरसा मुंडा को भगवान के रूप में पूजता है। धरती आबा' बिरसा मुंडा की अपने माटी के प्रति संघर्ष की ही पृष्ठभूमि थी कि अंग्रेजों को छोटा नागपुर काश्तकारी-सीपानटी अधिनियम बनाने के लिए बाध्य होना पड़ा। जिसके अधीन परंपरागत वन अधिकार भूईरही खूंट के नाम से निहित है। भूईरही खूंट, जो जल, जंगल, जमीन पर पूर्ण स्वामित्व का अधिकार देता है।

जनजातीय लोगों ने अपनी सभ्यता और संस्कृति की धरोहरों को युगों से संजोया हुआ है, जनजातीय गौरव दिवस एक अवसर है आदिवासियों की जीवन परंपरा, रीति-रिवाज व सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को समझने का जो कि अत्यधिक समृद्ध है सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव, वीरता तथा आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आदिवासियों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 'जनजातीय गौरव दिवस' का आयोजन किया जाता है। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई आदिवासी आंदोलन किए। इन आदिवासी समुदायों में तामार, संथाल, खासी, भोजपुर, मिजो और कोल शामिल हैं।

स्वतंत्रता हासिल करने तक जनजातीय समुदाय अंग्रेजों से लड़ते रहे। चाहे पूर्वी क्षेत्र में संताल, कोल, हो, पहाड़िया, मुंडा, उरांव, चेरों, लेपचा, कोई जनजाति के लोग हों या पूर्वोत्तर क्षेत्र में खासी, नागा, अहोम, ममारिया, अबोर, न्यासी, जयंतिया, गारो, मिजो, सिंचपो, कुकी और लुशाई आदि जनजाति के लोग हों या दक्षिण में पद्मगार, कुरिच्य, बेडा, गोंड और महान अंडमानी जनजाति के लोग हों या मध्य भारत में हलबा, कोल, मुरिया, कोई जनजाति के लोग हों या पश्चिम में डोंग भील, मैर, नाइका, कोली, मीना, दुबला जनजाति के लोग हों, इन सबने अपने दुस्साहसी हमलों और निर्भीक लड़ाइयों से ब्रिटिश राज को असमंजस में डाले रखा। समग्र राष्ट्रीय विकास और जनजातीय समुदाय का विकास एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए, ऐसे अनेक प्रयास किए जा रहे हैं जिनसे जनजातीय समुदायों की अस्मिता बनी रहे, उनमें आत्म-गौरव का भाव बढ़े और साथ ही वे आधुनिक विकास से लाभान्वित भी हों। समरसता के साथ जनजातीय विकास की यही मूल भावना सबके लिए लाभदायक है।

भारत के संविधान ने, अनुसूचित जनजातियों की सुरक्षा के प्रावधानों के साथ, उनके अधिकारों की रक्षा करने और समावेशिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वन अधिकार अधिनियम, पेसा और अन्य कानूनों ने आदिवासी समुदायों के अधिकारों को और मजबूत किया है और उन्हें अपने जीवन के तरीके की रक्षा करने के लिए सशक्त बनाया है। ट्राइफेड और पनएसटीएफडीसी जैसे संस्थानों ने आदिवासी समुदायों को आर्थिक रूप से आगे बढ़ाने और उनकी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए सहायता और अवसर प्रदान किए हैं। न्याय के हित में सर्वोच्च बलिदान करने की भावना, जनजातीय समाज की विशेषता रही है।

भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना की पहचान भगवान राम हैं। प्रभु श्री राम के राजा राम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम बनने की यात्रा में जनजातीय समाज अपनत्व का सेतु है। भगवान राम को वनवास के दौरान जनजातीय समाज के साथ न सिर्फ सहचर्य मिला बल्कि दोनों ने एक दूसरे पर आस्था व्यक्त की। गोस्वामी तुलसीदास जी ने अनेक चौपाई में इस बात का उल्लेख किया है। छत्तीसगढ़ के वनांचल में रहने वाले रमातीन मांडिया, झाड़ा सिरहा, चमेली देवी नाग, हिडिमा मांझी, गुण्डाधरू, सुखदेव पातर हल्बा जैसे अनेक वीर सप्त सिर्फ जनजातीय समाज के नहीं अपितु भारत मां के वीर सपूत व वीरगान हैं। जनजातीय गौरव दिवस हमें बिरसा मुंडा, टेट्या मामा, भीम नायक, खन्खा नायक, शंकर शाह, रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती, बादल भोई, गंजन सिंह कोरकु, मंशु ओझा, रघुनाथ शाह और कई अन्य, जो इतिहास के पन्नों में कहीं खो गए हैं, जैसे जनजातीय नायकों के जीवन को जानने का अवसर देगा।

यह दिन श्री बिरसा मुंडा की जयंती है, जिन्हें देश भर के आदिवासी समुदाय भगवान के रूप में पूजते हैं। बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश औपनिवेशिक व्यवस्था की शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ देश के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और 'उलगुलान' (क्रांति) का आह्वान करते हुए ब्रिटिश उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया।

लेखक विचारक, उत्तर विचारकना क्षेत्र रायपुर है।



संस्कृत दर्शन

हम जो भी करेंगे, वह कर्म है। अगर मैं संन्यास ले रहा हूँ, तो संन्यास एक कर्म हो गया। अगर मैं त्याग कर रहा हूँ, तो त्याग एक कर्म हो गया। अकर्म का मतलब ठीक उलटा है। अकर्म का मतलब है ऐसा कर्म, जिसमें कर्ता नहीं है। जिसमें मैं कर रहा हूँ, ऐसा कोई बिंदु नहीं है। ऐसा कोई केंद्र नहीं है, जहाँ से यह भाव उठता है कि मैं कर रहा हूँ। अगर मैं कर रहा हूँ, यह खो जाए, तो सभी कर्म अकर्म हैं। कर्ता खो जाए तो सभी कर्म अकर्म हैं। इसलिए कृष्ण का कोई कर्म, कर्म नहीं है, सभी अकर्म हैं। कर्म और अकर्म के बीच में विकर्म की जगह है। विकर्म का अर्थ है, विशेष कर्म। विशेष कर्म किसे कहते हैं? कृष्ण? जहाँ न कर्ता है, और न कर्म। फिर भी चीजें तो होंगी। फिर भी चीजें तो होंगी ही। आदमी ध्यास तो लेगा ही। न कर्म है, न कर्ता है। ध्यास तो लेगा ही। ध्यास कर्म तो है ही। खून तो गति करेगा ही शरीर में। भोजन तो पचेगा ही। ये कहाँ पड़ेगे? ये विकर्म हैं। ये मध्य में हैं। यहाँ न कर्ता है, न कर्म है। साधारण मनुष्य कर्म में है, संन्यासी अकर्म में है, परमात्मा विकर्म में है। वहाँ न कोई कर्ता है, न कोई कर्म है। वहाँ चीजें ऐसी ही हो रही हैं, जैसे ध्यास चलती है। वहाँ चीजें बस हो रही हैं। यह कर्म योग का तत्व है। जो विकर्म को समझ लेगा, वह अकर्म में उतर जाएगा। कर्म हमारी स्थिति है, जैसे हम जी रहे हैं।



संस्कृत प्रेरणा

आइसक्रीम कितने रूपए का है ? उस वेटर वाले ने जवाब दिया 50 रूपए का। यह सुन कर उस छोटे लड़के ने अपने जेब में हाथ डालकर कुछ निकाला और हिसाब किया। उसने दूबारा पूछा कि संतरा फ्लेवर आइसक्रीम कितने का है। वेटर ने दूबारा जवाब दिया और कहा 35 रूपए का सर। यह सुनने के बाद उस लड़के ने कहा। मेरे लिए एक संतरा फ्लेवर आइसक्रीम ले आईये। कुछ ही देर में वेटर आइसक्रीम की प्लेट और साथ में बिल लेकर आया और उस बच्चे के टेबल पर रखकर चले गया। उस लड़के ने उस आइसक्रीम को खाने के बाद पैसे दिए और वह चले गया। जब वह वेटर वापस आया तो वह दंग रह गया यह देखकर कि उस लड़के ने खाली हूप आइसक्रीम प्लेट के बगल में आइस-क्रीम के 35 रूपए के साथ उसके लिए 15 रूपए का टिप छोड़ दिया था। उस लड़के पास 50 रूपए होने पर भी उसने उस वेटर के टिप के बारे में पहले सोचा न की अपने आइसक्रीम के बारे में। उसी प्रकार हमें अपने फायदे के बारे में सोचने से पहले दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए। हमारा ध्यान कभी दूसरों के भलाई की ओर नहीं जाता। हम पहले अपनी भलाई में ही लगे रहते हैं।

अंतर्मन



करंट अफेयर

अमेरिकी कैपिटल में मनाई गई दिवाली

अमेरिका में 24 से अधिक सांसदों और भारतीय अमेरिकियों ने 'कैपिटल' में दिवाली मनाई। पिछले सप्ताह के राष्ट्रपति चुनाव के बाद अमेरिकी कांग्रेस में यह पहला बड़ा आयोजन था। मंगलवार को 'कैपिटल हिल में दिवाली' का वार्षिक आयोजन बीपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर द्वारा हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, सिख फॉर अमेरिका, जैन एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका और आर्ट ऑफ लिविंग समेत कई अन्य भारतीय अमेरिकी संगठनों के सहयोग से किया गया था। पिछले सप्ताह राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने जीत हासिल की थी। दिवाली समारोह को संबोधित करते हुए सीनेटर रैंड पॉल ने कहा कि अमेरिकी अग्रवासियों की भूमि है, जो विश्वभर से सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे मिलकर अमेरिका को एक महान देश बनाते हैं। पॉल ने कहा, 'मैं वैध आइजन नियमों का बड़ा समर्थक हूँ और इसे बढ़ाने के लिए मेरे पास कई विधेयक हैं और मैं इस पर काम करना जारी रखूँगा। दिवाली की शुभकामनाएं।' इस मौके पर भारतीय अमेरिकियों को बधाई देते हुए मिसिसिपी की सीनेटर सिडी हाइड-रिस्थ ने कहा कि वह अगले चार वर्षों के लिए उत्सुक है।



आज की पाती

बाल दिवस का मकसद कैसे पूरा होगा ?

14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया गया। नेहरू को चाचा नेहरू इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्हें बच्चे से बहुत लगाव था। उन्होंने बच्चों के लिए कहा था, 'आज के बच्चे कल के भारत का निर्माण करेंगे। हम जिस तरह से बच्चों की परवरिश करते हैं उससे भारत का भविष्य तय होता है।' लेकिन भारत में जहाँ एक तरफ बाल दिवस मनाया जाता है, वहीं दूसरी तरफ शर्मनाक है कि आज आजाद भारत में छोटे-छोटे बच्चे गरीबी के कारण मजदूरी करने को विवश हैं। इनसम जब जन्म लेता है तब उसका दिल और दिमाग एक कोरे कागज की तरह होता है। बच्चों के पथभ्रष्ट होने का कारण अछे संस्कारों का अभाव भी है। ऐसी स्थिति में हम यह सोचना है कि कैसे बाल दिवस का मकसद हासिल किया जाए।

- अखिलेश मिश्रा, विलासपुर

ऑफ बीट

पीसीओएस की चपेट में 20 फीसदी महिलाएं

ऐसा माना जाता है कि अंडाशय के काम करने के तरीके पर असर डालने वाली हार्मोनल स्थिति पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) की चपेट में दुनियाभर की 20 प्रतिशत महिलाएं आती हैं। यह स्थिति इतनी सामान्य है और इसका महिलाओं के स्वास्थ्य पर इतना गंभीर असर पड़ता है, लेकिन इसके बावजूद शोधकर्ता अभी तक पूरे विश्वभर के साथ यह नहीं कह सकते कि पीसीओएस के कारण क्या है - इसके इलाज के बारे में तो बात छोड़ ही दीजिए। हार्मोनल थेरेपी लेने के साथ ही ज्यादातर मार्गदर्शन में कहा जाता है कि वजन कम करना पीसीओएस से निपटने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। शरीर के वजन में महज चार प्रतिशत की कमी से भी लक्षणों में सुधार देखा गया है। वजन घटाने से ज्यादा वजन से जुड़ी कहीं अधिक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं जैसे कि टाइप 2 डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और सोते वक्त सांस लेने में दिक्कत होने का जोखिम भी कम हो सकता है। लेकिन पीसीओएस से जुड़े हार्मोनल असंतुलन से महिलाओं के लिए वजन कम करना मुश्किल हो सकता है। पीसीओएस केंद्रित अनुसंधान के लिए ऐतिहासिक कम वित्त पोषण का मतलब यह भी है कि यह पता लगाने के लिए विवशनीय, साक्ष्य आधारित मार्गदर्शन की भारी कमी है।



टैड्स

नक्सल की गिरफ्त में कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी अर्बन नक्सल की गिरफ्त में आ चुकी है। नक्सलवाद की बढ़ावा देने वाले लोगों के हाथों की कठपुतली बनकर कांग्रेस काम कर रही है। उन्होंने ऐसी पार्टी से समझौता कर लिया, जो मात्र 370 बासल लाने की बात कर रही है।

-जी.पी. नड्डा, गाजपा अरख्य

उग्र सरकार असंवेदनशील

प्रधानाजय ने प्रतिरोधी छात्रों के साथ यूपी सरकार और उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग का रेटिया बेट्टे असंवेदनशील और दुर्गन्धपूर्ण है। एक पाली ने पक्षीय की छात्रों की मांग विरुद्ध न्यायपूर्ण है। 'पहल' करने वाले छात्रों का पुलिस के जरिए उत्पीड़न किया जा रहा है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

निवेश के लिए प्रतिबद्ध

जैसे-जैसे भारत और अमेरिका के बीच वाजोदारी गहरी होती जा रही है, हम अमेरिकी उर्जा सुरक्षा और लचीली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 10 बिलियन डॉलर का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

-जोतम अदाणी, उद्योगपति

बच्चे बहुत पसंद

मुझे बच्चे बहुत पसंद हैं क्योंकि उन्होंने अभी तक अपनी ईमानदारी और जीवन के प्रति अमान्यता नहीं छोया है। और एक बिंदु के बाद हम सभी का यही लक्ष्य होता है। कि हम स्वतंत्र हों। है ना!

- काजोल, अभिनेत्री



जानकारी / शिखर चंद जैन

दुनिया के अनोखे डॉल म्यूजियमस

बच्चों को डॉल्स के साथ खेलना बहुत माता है। बच्चे घर में अपनी पसंदीदा डॉल्स का कलेक्शन भी रखते हैं। दुनिया में बहुत से ऐसे अनोखे प्यारे से म्यूजियम हैं, जहां विभिन्न देशों के बहुत ही मोहक डॉल्स कलेक्शन देखने को मिल जाएंगे।



म्यूजी डी ला पोपी फ्रांस

फ्रांस के इस डॉल्स म्यूजियम में सन 1800 से 2000 ई. तक की 5000 दुर्लभ फ्रेंच गुडियों का कलेक्शन है। खास बात यह है कि यहां इन गुडियों के साथ इनके प्यारे-प्यारे फर्नीचर, एसेसरीज और खिलौने भी रखे गए हैं। इस म्यूजियम में साल में दो-तीन बार गुडियों को अलग-अलग ढंग से सजाया भी जाता है। इस म्यूजियम में एक से बढ़कर एक गुडियों की गिफ्ट शॉप भी हैं, जहां से बच्चे अपनी पसंद की गुडिया खरीद सकते हैं।

याकोहामा डॉल म्यूजियम जापान

दुनिया में अपनी तरह के इस अनूठे म्यूजियम में 140 देशों के दस हजार से भी ज्यादा गुडियों को संजोकर रखा गया है। दुनिया भर से अलग-अलग किस्म के डॉल्स का संग्रह और उसकी देखभाल करना कोई आसान काम नहीं है। यहां प्राचीन काल की एंटीक डॉल्स से लेकर अलग-अलग कल्चर से प्रभावित अलग-अलग ड्रेसिंग में डॉल्स को देखकर आश्चर्य होता है। इस म्यूजियम में जापानी लोक कला की डॉल्स के साथ मंदिरों और पूजा स्थलों में बिकने वाली डॉल्स भी खासतौर से रखी गई हैं।

वेनहैम म्यूजियम बोस्टन, यूएस

इस म्यूजियम में दुनिया के उन डॉल्स का कलेक्शन है, जो पिछली पीढ़ियों के तौर-तरीकों, पहनावों और मूल्यों की जानकारी देते हैं। ना सिर्फ देसी बल्कि विदेशी संस्कृति और रीति-रिवाजों की काफी जानकारी इस म्यूजियम से संग्रहित गुडियों को देखने से मिल जाती है।



इतना ही नहीं, यहां इंटरनेशनल डॉल इंडस्ट्री के बारे में भी काफी कुछ जानकारी मिल जाती है। बच्चों, तुम यहां ई.पू. 1500 से 20वीं सदी तक के एंटीक डॉल्स देख सकते हो। यहां पर पोर्सलिन की यूरोपियन डॉल्स, इंटरनेशनल ट्वेल डॉल्स, अमेरिकन क्लोथ डॉल्स के अनेक प्रकार देखने को मिल जाएंगे। इस म्यूजियम में 'कोलंबिया' नाम की ऐतिहासिक डॉल भी रखी गई है, जो 1900 से 1902 ई. के दौरान पूरी दुनिया का भ्रमण कर चुकी है।



कोबर्ग पोपेन म्यूजियम जर्मनी

बच्चों, जर्मनी के कोबर्ग में डॉल्स का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। यहां तुम्हें जर्मनी की बेहतरीन क्लासिक डॉल्स देखने को मिल जाएंगी। यहां मौजूद लगभग 900 डॉल्स में से कई दुर्लभ फ्रेंच डॉल्स हैं। कोबर्ग डॉल म्यूजियम में इन गुडियों को उनके फर्नीचर, क्लोथिंग और एसेसरीज के साथ प्रदर्शित किया गया है। *

बच्चों, दुनिया भर के मशहूर डॉल्स म्यूजियमस की जानकारी देने के बाद हम तुमको अपने देश भारत के मशहूर शंकर इंटनेशनल डॉल म्यूजियम के बारे में भी बताते हैं। इस म्यूजियम की स्थापना 1965 में फेमस कार्टूनिस्ट के शंकर पिल्लई ने की थी। इस म्यूजियम की खास बात यह है कि इसमें दुनिया के किसी भी दूसरे डॉल म्यूजियम से ज्यादा कॉस्ट्यूम डॉल्स हैं। बच्चों, इस म्यूजियम की शुरुआत की कहानी बहुत दिलचस्प है। अपने पॉलिटिकल कार्ड्स की वजह से के. शंकर पिल्लई

शंकर इंटनेशनल डॉल म्यूजियम भारत



को एक बार हंगरी के राजदूत ने एक प्यारी-सी गुडिया शंकर द्वारा आयोजित बच्चों की एक प्रतियोगिता में विजेता को दिए जाने के लिए उन्हें दी गई थी, लेकिन शंकर को यह गुडिया इतनी पसंद आई कि उन्होंने इसे अपने पास रख लिया। इसके बाद से ही शंकर को गुडियों से बहुत लगाव हो गया। फिर तो वे देश-विदेश में जहां भी जाते, वहां से ढेर सारी गुडिया लेकर आते। इस म्यूजियम में 85 देशों से इकट्ठी की गई 6,500 से अधिक डॉल्स हैं।



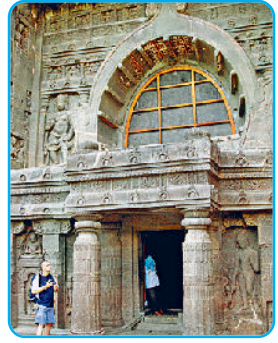
बच्चों, महाराष्ट्र में स्थित अजंता की गुफाएं, देश-विदेश के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं। इनकी खोज से जुड़ी घटना भी कुछ कम रोचक नहीं है। क्या है वो किस्सा, तुम भी जानो।

कैसे खोजी गई अजंता की गुफाएं

रोचक जानकारी

बच्चों, भारत के महाराष्ट्र राज्य के औरंगाबाद जिले में स्थित अजंता की गुफाएं, दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर लगभग 480 ईस्वी के दौरान 30 चट्टानों को काटकर बनाई गईं बौद्ध गुफा-स्मारक हैं। यह देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक इन्हें देखने आते हैं। अजंता की गुफाओं को यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया है।

अजंता गुफा खोजने की यह घटना आज से लगभग 200 वर्ष पूर्व की है, जब अपने देश में अंग्रेजों का शासन था। एक ब्रिटिश अधिकारी (जॉन स्मिथ) शिकार की खोज में औरंगाबाद के घने जंगल और पहाड़ियों में घूम रहा था। लेकिन उसे कोई मनपसंद शिकार नहीं मिला। थक-हार कर वह एक पेड़ पर चढ़कर सो गया। उसकी नींद खुली तो उसने पास ही एक पेड़ से लकड़ी काटते व्यक्ति को देखा। ब्रिटिश अधिकारी ने उसको अपने पास बुलाकर कहा, 'अगर तुम मुझे किसी शेर या चीते के टिकाने के बारे में कुछ बता दो तो मैं तुम्हें इनाम दूंगा।' उस नौजवान को इस बारे में कुछ भी पता नहीं था, लेकिन उसने पैसे की लालच में



आकर कह दिया, 'मेरे साथ आइए।' फिर वह उस अंग्रेज अधिकारी को घनी झाड़ियों में ले गया और अंगुली से इशारा करके बोला, 'वो सामने है शेर की गुफा।' उसके बाद वह नौजवान अपना इनाम लेकर चलता बना। अब वह अंग्रेज अधिकारी उस व्यक्ति के बताए गुफा की तरफ जाने लगा। रास्ता बहुत दुर्गम था और डरावना भी। लेकिन वह जान हथेली पर रखकर बढ़ता जा रहा था। वह पेड़ों के झुरमुट के बीच पहुंचकर कुछ देखने लगा तो आगे पगडंडी के रास्ते में उसे बैंगनी रंग के पत्थरों के खंभों के बीच सुनहरे लाल रंग की कुछ ऐसी चीजें दिखीं, जिन्हें देखकर वह आश्चर्य में पड़ गया। वह अधिकारी अपने खेमे में लौट आया, फिर वह आठ-दस लोगों को साथ लेकर उसी स्थान पर पहुंचा। उन लोगों ने रोशनी जलाकर गुफा में प्रवेश किया। अंदर का दृश्य बहुत ही अद्भुत और आश्चर्यचकित करने वाला था। दरअसल, वे अजंता की गुफाओं में पहुंच गए थे।

कुछ इस तरह सदियों तक गुप्तता और विराण पड़ी रही अजंता की गुफाओं और मंदिरों तक पहुंचने का रास्ता साफ हो सका और देश-दुनिया को एक कोतुहल जगाता दर्शनीय पर्यटन स्थल मिला। *

-एफएमएन

जिके क्विज-128

जिके क्विज-127 का उत्तर : 1.न्यूजीलैंड, 2.जिमास्टिक, 3.उत्तर प्रदेश, 4.गुजरात, 5.सुकुमार सेन, 6.यजुर्वेद, 7.जवाहरलाल नेहरू, 8.फणीश्वरनाथ 'रेणु', 9. 24 अक्टूबर, 10.गुरु गोविंद सिंह

जिके क्विज-127 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, शुभम-बिलासपुर, पृथ्वीराज-बिलासपुर, कपिल-इंमेल से, दिव्या-रायपुर, हनी-रोहतक, कुसुम-महासमुद्र, राकेश-रायगढ़, दिव्यम-बेमतरा, हर्ष-महेंद्रगढ़, काव्या-बलोदा बाजार

हंसगुल्ले

मापू : दिवाली पर जैन एक रॉकेट छोड़ तो सीधा सूरज से टकरा गया।
पापू : (आश्चर्य में) फिर क्या हुआ?
मापू : फिर भी पिटाई हुई।
पापू : किसने पीटा?
मापू : सूख की मन्की ने।

सोनु : 20 नंबर।
-कुसुम, बिलासपुर
टीपर : अगर इन 3 क्विजों में 2 और क्विजों जोड़ देंगे तो क्विजों कितने बन जाएंगे?

अलका, गोपाल
रोहन : सर, 5 क्विजों।
टीपर : बेरी गुड! अब बताओ, 343 क्विजों में 433 क्विजों जोड़ देंगे तो...?
रोहन : सर, लाइब्रेरी।

-आदित्य, रायपुर

रंग भरो-162

रंग भरो-162 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

पलक, अटेली मंडी
देवाश-बिलासपुर, आरिस्तक-वापा, आदित्य-बहादुरगढ़, मधु-कोसली, मंजुव-अरजी, वसन्ती-रायपुर, देवान-मिनाही, सुभाष-दुर्ग, अनन्या-कोडगाव, हर्षिता-महासमुद्र, दीप-रायगढ़, कुसुम-बलोदा बाजार, सोहन-रोहतक, जतिन-गोपाल

कहानी
विमला रस्तोमी

शु

चि ने लपक कर अपनी सहेली रूपा को गले लगा लिया। दोनों बहुत खुश थीं। हो भी क्यों ना, आखिर दो वर्ष बाद दोनों सहेलियां मिल रही थीं। शुचि और रूपा पहले भोपाल में एक ही कॉलोनी में रहती थीं, वहां दोनों एक ही स्कूल, एक ही क्लास में पढ़ती थीं। दोनों परिवारों के बीच भी बहुत ही परिवारिक संबंध थे। अभी दो साल पहले रूपा अपने मम्मी-पापा और छोटे भाई आकाश के साथ उत्तर प्रदेश के शहर गाजियाबाद में शिफ्ट हुई थीं। जबकि शुचि अपने परिवार के साथ वहीं भोपाल में ही रह रही थीं। रूपा के पापा ने शुचि के पापा को निमंत्रण दिया था कि वे पूरे परिवार के साथ गाजियाबाद आ जाएं, यहां से कुछ ही दूर पर गढ़मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर गढ़ मेला लगता है। यह बहुत ही प्रसिद्ध धार्मिक और ऐतिहासिक मेला है। लाखों लोग इस मेले में आते हैं। चलकर हम लोग भी गढ़ मेला देखेंगे और गंगा स्नान करेंगे।

शुचि का परिवार दिवाली के दस दिन बाद ही गाजियाबाद आ गया। अगले दिन दोनों परिवार गढ़ गंगा मेला देखने आए। रूपा के पापा ने मेले में पहले से ही टेंट की व्यवस्था कर ली थी। शुचि और उसके छोटे भाई अमन के लिए यह एकदम नया और अलग किस्म का अनुभव था, क्योंकि वे पहली बार गंगा मेला देख रहे थे। रूपा ने शुचि के छोटे भाई से पूछा, 'अमन, तुम्हें यहाँ आकर कैसा लग रहा है?' 'बहुत ही अच्छा लग रहा है दीदी।' अमन ने कहा। उधर गंगा तट पर खड़ी शुचि भी दूर-दूर तक बहती गंगा को देखकर गद्गार हो रही थीं। तभी उसकी नजर गंगा में बहते प्लास्टिक, खाली बोतलों और कूड़े-कचरे पर गई। वह रूपा से कुछ कहने ही वाली थी कि वहाँ खड़े होकर चिप्स खा रहे अमन और आकाश ने अपने चिप्स के पैपर्स गंगा नदी के तट पर फेंक दिए।

शुचि अपने और अपनी सहेली रूपा के परिवार के साथ गंगा मेला में गईं। वहाँ उसने देखा कि गंगा किनारे लोग सफाई के प्रति लापरवाह हैं। यह बात

उसे बहुत बुरी लगी। शुचि चुप नहीं रही, गंगा नदी और उसके आस-पास स्वच्छता के लिए उसने कुछ प्रयास किए। इस प्रयास में शुचि और रूपा का परिवार भी शामिल हुआ। बच्चों, तुम्हारे लिए एक प्रेरक कहानी।

गंगा मैया के तट पर

हमारे लिए पेय जल का स्रोत होने के साथ-साथ सिंचाई का महत्वपूर्ण साधन भी है। हमारे देश के करोड़ों लोगों की आस्था इससे जुड़ी है। गंगा को गंदा मत करो, इसमें कचरा मत डालो। हम लोगों की नासमझी और लापरवाही की वजह से गंगा सबसे प्रदूषित नदी बन गई है।' अगले दिन गंगा की सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करने में शुचि और रूपा के मम्मी-पापा भी उनके साथ थे।

मेले से लौटते समय शुचि ने गंगा मैया को नमन किया, प्रार्थना की। उसे उम्मीद थी कि लोग गंगा मैया की स्वच्छता के प्रति जागरूक होंगे और इसे प्रदूषण रहित रखने में अपना योगदान देंगे। साथ ही शुचि को संतोष था कि मां गंगा की सफाई में उसने अपनी तरफ से कुछ योगदान दिया। *

घाट से स्नान करके सब वापस टेंट में लौट आए। शुचि और रूपा के मम्मी-पापा टेंट में आराम करने लगे। शुचि, रूपा,

अमन और आकाश टेंट के आस-पास घूमने लगे। ऐसा लग रहा था मानो गंगा नदी के किनारे कुछ दिनों के लिए एक नगर बस गया हो।

अगले दिन सुबह रूपा और शुचि ने देखा कि पास वाले टेंट में रहने वाला एक व्यक्ति झाड़ू लगा रहा है। शुचि ने झाड़ू लगा रहे व्यक्ति के पास जाकर पूछा, 'इस कूड़े को अंकल आप कहाँ फेंकेंगे?' 'अरे बेटा, झाड़ू लगाते हुए सामने तक चले जाएंगे, गंगा मैया सब बहाकर ले जाएंगी।' झाड़ू लगा रहे व्यक्ति ने बताया। 'अंकल आप कैसे बातें करते हैं? एक तरफ तो आप गंगा को मां कह रहे हैं, दूसरी तरफ उसमें कूड़ा डालें, ऐसा तो नहीं करना चाहिए।' शुचि बोली। साथ ही रूपा भी बोल पड़ी, 'देखिए अंकल, आगे डस्टबिन खा है, उसी में कूड़ा डालें, और आगे भी इस बात का ध्यान रखें।' 'ठीक है बेटा, ध्यान रखेंगे।' उन अंकल ने शुचि और रूपा की बात मानी। फिर दोनों सहेलियां अमन और आकाश के साथ गंगा किनारे चली गईं। वहाँ लोगों को गंगा का महत्व और इसकी सफाई के बारे में समझाने लगीं, 'गंगा हमारी पूज्य नदी है, जीवनदायिनी है, यह हमारे लिए पेय जल का स्रोत होने के साथ-साथ सिंचाई का महत्वपूर्ण साधन भी है। हमारे देश के करोड़ों लोगों की आस्था इससे जुड़ी है। गंगा को गंदा मत करो, इसमें कचरा मत डालो। हम लोगों की नासमझी और लापरवाही की वजह से गंगा सबसे प्रदूषित नदी बन गई है।' अगले दिन गंगा की सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करने में शुचि और रूपा के मम्मी-पापा भी उनके साथ थे।

मेले से लौटते समय शुचि ने गंगा मैया को नमन किया, प्रार्थना की। उसे उम्मीद थी कि लोग गंगा मैया की स्वच्छता के प्रति जागरूक होंगे और इसे प्रदूषण रहित रखने में अपना योगदान देंगे। साथ ही शुचि को संतोष था कि मां गंगा की सफाई में उसने अपनी तरफ से कुछ योगदान दिया। *

सर्दी आई थोड़ी-थोड़ी

दूर हो गयी गरमी अब तो, सरदी आयी, थोड़ी-थोड़ी। गौसम ने बदली है करवट, ठंडी छापी, थोड़ी-थोड़ी।

कूलर-पंखे बंद हुए सब, ए.सी. ने भी आराम लिया। लू के गर्म चपेटों ने अब, वापस जाने का नाम लिया।

कोहरे की आठ सुनी तो, कॉफी भायी, थोड़ी-थोड़ी। गौसम ने बदली है करवट, ठंडी छापी, थोड़ी-थोड़ी।

स्वेटर-कंबल और रजाई, बाहर आने को ताक रहे। कब तक बढ़ने वाली सर्दी, बैठे-बैठे सब आंक रहे।

धूप गुनगुनी होने को है, मन ठरपायी, थोड़ी-थोड़ी। गौसम ने बदली है करवट, ठंडी छापी, थोड़ी-थोड़ी।

रंग भरो 163

बच्चों, यहां एक प्यार-सा लोके एड लाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालमुनि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ आपनी छोटी, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो-
संपादक - प्रीतार, हरिभूति कार्यालय, 129, टाउनघाट रोड, फ़ाजी बाग, परिधानी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035
या ई-मेल आईडी ballb-hoomibh@gmail.com पर भेज सकते हैं।

सही परछाई पहचानो

बच्चों, यहां बाईं तरफ एक क्यूट-से पपी का चित्र दिया गया है। दाईं तरफ चार परछाईयें भी दी गई हैं। ध्यान से देखकर बताओ कि पपी के चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

1, 2, 3, 4

मातृभूमि के प्रति त्याग, निष्ठा और वीरता का प्रेरणा स्रोत है जनजातीय समुदाय : सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनजातीय समाज की गौरवपूर्ण संस्कृति और उनकी मातृभूमि के प्रति अपार निष्ठा को सम्मान देते हुए भगवान विरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस पर अंतरराष्ट्रीय जनजातीय भागीदारी उत्सव की शुरुआत की। वह उत्सव राज्य की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में 15 से 20 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के 22 राज्यों के साथ-साथ स्लोवाकिया और वियतनाम से भी कलाकार भाग ले रहे हैं। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समुदाय मातृभूमि के प्रति त्याग, निष्ठा और वीरता का प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज न केवल भारत का मूल संप्रदाय



है, बल्कि यह समुदाय मातृभूमि के प्रति उच्च भाव से प्रेरित होकर देश की सेवा में सदैव तत्पर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश पर विदेशी सत्ता का शिकंशा था, तब भगवान विरसा मुंडा ने अपने समुदाय के अधिकारों की रक्षा और स्वाधीनता के लिए संघर्ष किया।

उन्होंने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह भगवान विरसा मुंडा के बलिदान को देशभर में सम्मान देने का महत्वपूर्ण कदम है। सरकार ने 2021 में मुंडा को जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के तौर पर

मनाने की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस उत्सव के माध्यम से देश और प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से आए जनजातीय समुदाय के लोग अपनी कला और परंपरा को प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने जनजातीय समाज के सशक्तिकरण की दिशा में अपनी सरकार के प्रयासों पर बल देते हुए कहा, 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद उन्होंने जनजातीय समुदाय की

आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी, क्योंकि पूर्ववर्ती सरकारों में यह समाज विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित था। मुख्यमंत्री ने जनजातीय समुदाय को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा, थारू, कोल, चेरु, गोंड, बुक्सा जैसे जनजातीय समुदायों के लिए संचयन योजना के माध्यम से हर जरूरतमंद तक सरकारी लाभ पहुंचाने का अभियान जारी है।

उन्होंने बताया कि जनजातीय समुदाय को प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर शौचालय, घरेलू गैस कनेक्शन, वृद्धावस्था पेंशन, महिला पेंशन और दिव्यांगजन पेंशन जैसी योजनाओं से आच्छादित किया गया है। योगी ने जनजातीय समाज की संस्कृति और परंपरा के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि जनजातीय समुदाय की कला, परंपरा और उनकी विधायक को संरक्षित करने के लिए संग्रहालयों का निर्माण किया जा रहा है। बलरामपुर में थारू जनजाति की संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए एक भव्य संग्रहालय बनाया गया है, जिसका उन्होंने खुद दौरा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, जनजातीय समुदाय ने विपरीत परिस्थितियों में भी देश को प्राकृतिक संपादन की रक्षा की है। उत्तर प्रदेश के 11 जिलों में जनजातीय समुदाय का निवास है, जिसमें सोनभद्र का विशेष महत्व है।

झारखंड रैली में राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संविधान को नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया, जिसे उन्होंने राष्ट्र की आत्मा बताया। झारखंड के बेरमो में एक रैली में बोलते हुए गांधी ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने संविधान की झूठी प्रति पेश की थी, उन्होंने कहा कि इसकी विषय-वस्तु महत्वपूर्ण है।

उन्होंने संविधान की एक प्रति दिखाते हुए कहा संविधान देश की आत्मा है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि यह अंदर से खाली है। इसे देखिए, इसमें विषय-वस्तु है। वे कहते हैं कि राहुल लाल कितार दिखते हैं, इसकी विषय-वस्तु महत्वपूर्ण है, रंग नहीं।

अरबपतियों को तरजीह देने का आरोप

गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी ने 16 लाख करोड़ रुपये के औद्योगिक ऋण माफ करके और बुनियादी ढांचे



के निजीकरण की घोषणा करके गरीबों की तुलना में अरबपतियों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, उन्होंने उद्योगपतियों के ऋण माफ कर दिए, लेकिन किसानों, दलितों और गरीबों की दुर्दशा को नजर अंदाज कर दिया। गांधी ने यह भी कहा कि जीएसटी और नोटबंदी जैसी नीतियां

उच्च बेरोजगारी के लिए जिम्मेदार हैं।

जाति जनगणना और आरक्षण में वृद्धि का वादा

कांग्रेस की नीति का खुलासा करते हुए, गांधी ने सत्ता में आने पर जाति जनगणना लागू करने और आरक्षण पर 50% की सीमा हटाने का वादा किया। उन्होंने झारखंड में अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए 26% से 28%, अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए 10% से 12% और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 14% से 27% आरक्षण का वादा किया।

गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों पर ध्यान दें

कांग्रेस की कल्याणकारी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, गांधी ने गरीबों, हाशिए पर पड़े समुदायों और युवाओं के उत्थान पर पार्टी के ध्यान पर जोर दिया। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा की नीतियों को खारिज करने और समानता और सामाजिक न्याय की प्राथमिकता देने वाली सरकार का समर्थन करने का आग्रह किया। यह रैली ऐसे समय में हो रही है जब झारखंड आगामी चुनावों के लिए तैयार है, जिसमें कांग्रेस प्रमुख मतदाता समूहों में अपना समर्थन मजबूत करने का लक्ष्य बना रही है। मोदी जी कहते हैं कि यह हलाल कि ताबह खाली है। यह हमारे संविधान को खोखला बताते हैं। वह ऐसा इशालिए कहते हैं क्योंकि उन्होंने जिंदगी में कभी इसे पढ़ा नहीं है।

मौसम अधिकतम तापमान 33.c
न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177.9
चांदी 96/g
सैंसेक्स 81,634.72
निफ्टी 25,013.85

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दीं गुरु नानक

एसएससी की परीक्षा में धांधली का खुलासा, 35 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली, पूर्णिया पुलिस ने केन्द्रीय एसएससी के परीक्षा केंद्र पर बड़ी धांधली का खुलासा करते हुए मामलों में 35 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कार्तिकेश शर्मा ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सात कर्मचारी और फर्जी परीक्षार्थी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय चयन आयोग की उड़नदस्ता की टीम को भूमिका संदिग्ध है, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4.50 लाख नकद के साथ तीन लेपटॉप, एक प्रिंटर, 18 मोबाइल, दो

मोटरसाइकिल, दो कार, 12 ब्लैक चेक, 22 एटीएम कार्ड, 52 आधार कार्ड, 40 ई-प्रवेश पत्र आदि बरामद किए हैं। पूर्णिया सदर थाने के हांसदा रोड में डिजिटल एक्जामिनेशन सेंटर के नाम के परीक्षा केंद्र पर एमटीएस की परीक्षा संचालित की गई। पुलिस को परीक्षा में धांधली की भनक लगी थी। सूचना के आलोक में पुलिस की टीम ने जब बताए सेंटर पर छापेमारी की तो वहां 12 फर्जी परीक्षार्थी पुलिस के हाथ लगे। छानबीन के दौरान फर्जी छात्रों का बायोमेट्रिक हाजरी का मिलान नहीं हो पाया। निरीक्षण के दौरान बाल के भवन में 12 मूल परीक्षार्थी तथा दो अन्य व्यक्ति मौजूद पाए गए।

केजरीवाल ने कांग्रेस के पूर्व विधायक वीर सिंह धीमान का आप में किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस के पूर्व नेता वीर सिंह धीमान को शुक्रवार को पार्टी में शामिल किया और उन्हें सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र से भावी विधायक करार दिया। धीमान दलित नेता हैं और कांग्रेस के टिकट पर सीमापुरी (सुरक्षित) से तीस बार विधायक रह चुके हैं। आगामी चुनावों में वह आम आदमी पार्टी (आप) के टिकट पर अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। केजरीवाल ने पार्टी कार्यालय में धीमान का स्वागत करते हुए कहा कि वह एक अनुभवी नेता हैं और उन्हें



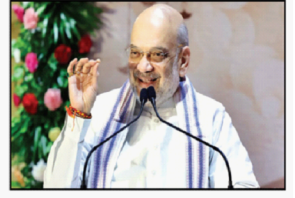
सीमापुरी निर्वाचन क्षेत्र के भावी विधायक के रूप में देखा जा सकता है। इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पहले आप के पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम करते थे। गौतम ने आम आदमी पार्टी पर दलित और अल्पसंख्यक नेताओं के खिलाफ

भेदभाव का आरोप लगाया था और वह तिसरब में पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। केजरीवाल ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनावों के बाद दिल्ली में फिर से सरकार बनाएगी।

छत्तीसगढ़ से 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा हो जाएगा : शाह

एजेंसी

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 31 मार्च, 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म कर देगी। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मोदी जी ने आतंकवाद और नक्सलवाद से देश को मुक्त कराने के लिए काम किया है। उन्होंने देश को समृद्ध बनाने और दुनिया में इसका सम्मान बढ़ाने के लिए काम किया है। शाह ने कहा, छत्तीसगढ़ में जो भी बचा (नक्सल खतरा) है, हम उसे 31



मार्च 2026 तक समाप्त कर देंगे। उन्होंने कहा, मोदी जी ने महाराष्ट्र के विकास के लिए 15.10 लाख करोड़ रुपये भेजे हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र में कई परियोजनाओं को भी शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य की जनता यहां महायुक्ति की सरकार बनाती है तो महाराष्ट्र का गौरव फिर से बहाल हो जाएगा जो महा विकास आघाड़ी सरकार के दौरान खो गया था।

जयता का शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की जयंती पर शुक्रवार को देशवासियों को बधाई दी और कामना की कि उनकी शिक्षाएँ सभी को करुणा, दया और विनम्रता की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करें। गुरु नानक देव जी का जन्म 1469 में अविभाजित भारत के राय भोई दी तलवंडी में हुआ था, जिसे अब पाकिस्तान में ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्री गुरु नानक जयंती के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाएँ हमें करुणा, दया और विनम्रता की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करें।

भारत की सांस्कृतिक पुनर्स्थापना का महाकुंभ

संवाददाता

प्रवागराज, योगी आदित्यनाथ ने जब पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाला तो सियासी गलियारे में हकाटो भरा ताजहू कहा गया। यह काफी हद तक सही भी था। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर हो चुकी थी। भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के दलदल में प्रदेश गहरे तक धंस चुका था। अपराधियों, माफियाओं से जुड़ी खबरें ही अखबारों की सुर्खियां बनती थी। हाताशा और निराशा का आलम यह था कि निवेशक राज्य से बाहर जा रहे थे। विकास और कारोबारी रैंकिंग में प्रदेश का प्रदर्शन गिरता जा रहा था।



इन विषय परिस्थितियों में मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे पहले पुलिस मुख्यालय का दौरा कर योगी आदित्यनाथ ने दूरगामी संदेश दिए। साफ था कि कानून व्यवस्था योगी की

सर्वोच्च प्राथमिकता थी। अपने पहले कार्यकाल में सूबे की सरकार इसी पर अमल करती दिखाई थी। अपने दूसरे कार्यकाल में उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के

लक्ष्य का उद्घोष करते समय प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने यूपी फॉर यूपी, यूपी फॉर इंडिया और यूपी फॉर ग्लोबल का विजन दिया था। अब जबकि संगम किनारे महाकुम्भ के आरंभ होने में महज चंद्रदिन रह गए हैं तो योगी द्वारा कहे गए इन शब्द समूहों की व्यापक व्याख्या अनिवार्य है। दरअसल, ये शब्द समूह योगी मॉडल की उपलब्धियों को व्याख्यायित करते हैं। योगी ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले ह्यूपी फॉर यूपीहू पर ही अमल किया। कानून व्यवस्था की स्थिति सुधारी, प्रदेश को विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया, इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान दिया। माफियाओं, गैर्रेस्टॉरों पर नकेल कसा।

राजनीति-अपराध गंजोड़ पर कड़ा प्रहार किया। देखते देखते बुलडोजर न्याय का प्रतीक बन गया। कभी-खाकी पर भारी पड़ने वाले बदमाश पुलिस से बचने के लिए सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर पोस्ट करने लगे। योगी ने ह्यूपी फॉर इंडियाहू के जरिए प्रदेश को बीमार राज्यों की श्रेणी से निकाला। यूपी को ईज ऑफ ड्रूंग बिजनेस रैंकिंग में 12वीं से दूसरे नंबर तक पहुंचाया। पिछली सरकारों के एक जिला, एक माफिया समूह की अराजकता से एक जिला, एक उत्पाद में परिवर्तित किया। यूपी को देश की दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाया।

न्यायालय कार्यालय दण्डाधिकारी बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छंगंग

क्रमांक / वाचक-2 / तह. / 2022

बैकुण्ठपुर दिनांक 8 / 11 / 2024

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम खरवत (महूवापारा) को आम जनता को ईशतहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्यामलाल पिता स्व० सुखदेव जिसे रजवार निवासी खरवत (महूवापारा) तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया के द्वारा स्व० उजियारोबाई निवासी खरवत (महूवापारा) मृत्यु दिनांक 08/06/2008 को होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 18/11/2024 को 11.00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निधारित समयवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी। आज दिनांक 23/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छंगंग

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
क्रमांक 2512/खाद्य-दुकान आर्व./2024
सूरजपुर दिनांक 08/11/2024
ईशतहार

कार्यालयीन ईशतहार दिनांक 21.06.2024 के माध्यम से शा०उ०मू० दुकान भरतपुर के आबंटन हेतु आवेदन प्रामाणित किया गया था। परन्तु नियत समयसीमा में कोई भी आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण उक्त ईशतहार को निरस्त किया जाता है। पुनः इस सार्वजनिक ईशतहार के माध्यम से आमजनों/सहकारी समितियों/वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस) / प्राथमिक कृषि साख समिति/वन सुरक्षा समिति / महिला स्वयं सहायता समूह / ग्राम पंचायत / अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति तथा स्थानीय नगरीय निकाय को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत भरतपुर आई.डी. 3272009105 का नवीन आबंटन किया जाना है। अतः शा.उ. मूल्य दुकान संचालन करने के इच्छुक पात्र संस्था अपना आवेदन दिनांक 25/11/2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे में इस कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित प्रारूप में संस्था के प्रस्ताव सहित अन्य स्वप्रामाणित दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 08/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दरिया, सरगुजा (छंगंग) रा०प्र०क्र०...../अ-6-अ-24-25
-: ईशतहार :-
आवेदक चंद्रभान सिंह आ० स्व० मधू सिंह, निवासी ग्राम कुम्हरता, तहसील दरिया, जिला सरगुजा छंगंग के द्वारा आवेदन पेश कर बताया गया है कि ग्राम कुम्हरता, तहसील दरिया स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1211, 1212, 1214, 1215, 1216, 1231 रकबा क्रमांक: 0.089, 0.134, 0.125, 0.227, 0.446, 0.008 कुल खसरा 06 कुल रकबा 2.024 हे० भूमि को आवेदक के पुत्र स्व० सरोजित सिंह के द्वारा अनावेदकगण के पिता स्व० बहादुर सिंह से पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया गया था। उक्त भूमि का नामांतरण आवेदक के पुत्र के नाम पर हो चुका था, और आवेदक उस पर कृषि कार्य करते आ रहा है। आवेदक के पुत्र स्व० सरोजित सिंह की मृत्यु हो जाने के उपरांत वृत्तिवश उक्त भूमि विक्रतता स्व० बहादुर सिंह के वारिसान अनावेदकगण के नाम पर दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि पर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो न्यायालय में विचारधीन है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 29/11/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 13/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार दरिया सरगुजा (छंगंग)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
क्रमांक 2516/खाद्य-दुकान आर्व./2024
सूरजपुर दिनांक 08/11/2024
ईशतहार :-

कार्यालयीन ईशतहार दिनांक 14.06.2024 के माध्यम से शा०उ०मू० दुकान कुम्हरता के आबंटन हेतु आवेदन प्रामाणित किया गया था। परन्तु नियत समयसीमा में कोई भी आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण उक्त ईशतहार को निरस्त किया जाता है। पुनः इस सार्वजनिक ईशतहार के माध्यम से आमजनों/सहकारी समितियों/वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस) / प्राथमिक कृषि साख समिति/वन सुरक्षा समिति / महिला स्वयं सहायता समूह / ग्राम पंचायत / अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति तथा स्थानीय नगरीय निकाय को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत कुम्हरता आई.डी. 392009054 का नवीन आबंटन किया जाना है। अतः शा.उ. मूल्य दुकान संचालन करने के इच्छुक पात्र संस्था अपना आवेदन दिनांक 25/11/2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक इस कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित प्रारूप में संस्था के प्रस्ताव सहित अन्य स्वप्रामाणित दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 08/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
क्रमांक 2514/खाद्य-दुकान आर्व./2024
सूरजपुर दिनांक 08/11/2024
ईशतहार :-

इस सार्वजनिक ईशतहार के माध्यम से आमजनों/सहकारी समितियों/वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस) / प्राथमिक कृषि साख समिति/वन सुरक्षा समिति / महिला स्वयं सहायता समूह / ग्राम पंचायत / अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति तथा स्थानीय नगरीय निकाय को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत यानी. आई.डी. 3720090 का नवीन आबंटन किया जाना है। अतः शा.उ. मूल्य दुकान संचालन करने के इच्छुक पात्र संस्था अपना आवेदन दिनांक 25/11/2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक इस कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित प्रारूप में संस्था के प्रस्ताव सहित अन्य स्वप्रामाणित दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 08/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
क्रमांक 2510/खाद्य-दुकान आर्व./2024
सूरजपुर, दिनांक 08/11/2024
ईशतहार :-

इस सार्वजनिक ईशतहार के माध्यम से आमजनों/सहकारी समितियों/वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस) / प्राथमिक कृषि साख समिति/वन सुरक्षा समिति / महिला स्वयं सहायता समूह / ग्राम पंचायत / अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति तथा स्थानीय नगरीय निकाय को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत बेलटिकरी आई.डी. 392009011 का नवीन आबंटन किया जाना है। अतः शा.उ. मूल्य दुकान संचालन करने के इच्छुक पात्र संस्था अपना आवेदन दिनांक 25/11/2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक इस कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित प्रारूप में संस्था के प्रस्ताव सहित अन्य स्वप्रामाणित दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 08/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय श्रीमान-तहसीलदार महोदय लखनपुर जिला सरगुजा (छंगंग)
ईशतहार लखनपुर दिनांक 06/11/2024
प्रति, ग्राम-कोरजा तहसीलदार-लखनपुर एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका आनंद दास आ० शंकर दास निवासी कोरजा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (बाबा) स्व० जगतराम की मृत्यु दिनांक 06/07/1989 को हो जाने से ग्राम कोरजा (जन्म-मृत्यु) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छंगंग जन्म मृत्यु रिजि. नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 5/12/2024 को सुनवाई की जानी है। आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 05/12/2024 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई नहीं किया जायेगा।

तहसीलदार लखनपुर

सरगुजा फ्रंटलाइन

आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा शुरू, पहले दिन 500 अभ्यर्थियों में 335 शामिल हुए

अभ्यर्थियों को दिशानिर्देशों का पालन करने दिए गए सख्त दिशानिर्देश



छ.ग.फ्रंटलाइन
अंबिकापुर। जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के अंतर्गत रिक्त आरक्षक संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु भर्ती प्रक्रिया 16 नवंबर से शुरू हो गई है। भर्ती प्रक्रिया 30 दिसम्बर तक 10वीं वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल सिलफिली, जिला-सूरजपुर में चलेगी। पहले दिन 500 अभ्यर्थियों में से 335 अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में शामिल हुए।

भर्ती प्रक्रिया में कुल 82 हजार 694 अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के अंतर्गत सरगुजा संभाग के सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, जशपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले तथा पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मैनपाट में रिक्त आरक्षक संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु भर्ती प्रक्रिया शुक्रवार 16 नवम्बर से प्रारंभ हो गई है। भर्ती

प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। अभ्यर्थी के पास एडमिट कार्ड तथा समस्त प्रमाणपत्रों की मूल प्रति के साथ छायाप्रति होना आवश्यक है। एडमिट कार्ड के अतिरिक्त अभ्यर्थी के स्वयं के पहचान पत्र हेतु एक पहचान पत्र होना चाहिए, इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को भर्ती ग्राउंड में प्रवेश दिया जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया के दौरान ग्राउंड के अंदर अभ्यर्थी

का मोबाइल लाना या उपयोग करना वर्जित रखा गया है। अभ्यर्थियों को अपने सामान के सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं उठानी है। भर्ती केन्द्र में अभ्यर्थी के अतिरिक्त अन्य किसी भी व्यक्ति, रिश्तेदार का उपस्थित रहना पूर्णतः वर्जित है। अभ्यर्थी प्रवेश पत्र में उल्लेखित निर्धारित तिथि को ही आएंगे। पूर्णतः पारदर्शी एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए भर्ती प्रक्रिया आधुनिक तकनीक के माध्यम से

की जा रही है। अभ्यर्थियों को किसी व्यक्ति के जालसाजी, धोखाधड़ी या लेन-देन से दूर रहने के लिए कहा गया है। यदि भर्ती स्थल पर कोई व्यक्ति भर्ती के नाम पर किसी प्रकार का प्रलोभन देता है तो तत्काल इसकी सूचना चयन समिति को देने कहा गया है। कोई भी व्यक्ति अगर भर्ती केन्द्र के पास भर्ती के नाम पर प्रलोभन देते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बिजली के ट्रांसफार्मर में चढ़ा युवक करंट की चपेट में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के लुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गेरसा में एक युवक हाई वोल्टेज ट्रांसफार्मर पर चढ़ गया। इस दौरान कुछ लोग उसका वीडियो बना रहे थे। देखते ही देखते युवक को करंट का झटका लगा और वह बिजली के खंभे से नीचे जमीन पर गिर गया। गंभीर रूप से घायल युवक को पहचान रघुवीर खलखो के रूप में हुई है, जो मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है। घायल युवक को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें एक युवक हाई वोल्टेज ट्रांसफार्मर पर चढ़ने के बाद करंट की चपेट में आते नजर आ रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौका निरीक्षण की है। गांव के लोगों व प्रत्यक्षदर्शियों से पुलिस पूछताछ की है।

लखनपुर प्रखंड के लब्जी और पुहपुटरा पंचायत में निक्षय दिवस पर हुआ कार्यक्रम

छ.ग.फ्रंटलाइन
अंबिकापुर। लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत लब्जी और पुहपुटरा में पहाड़ी कोरवा समुदाय व जनजातीय आदिवासी उपचारकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य टीबी के संदर्भ में समुदाय को जागरूक करना था। क्षय अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में पिरामल फाउंडेशन जिला कार्यक्रम समन्वयक सरस्वती विश्वकर्मा के द्वारा पहाड़ी कोरवा समुदाय और जनजातीय आदिवासी उपचारकर्ताओं को टीबी मुक्त पंचायत, निक्षय दिवस के मुख्य बातों से अवगत कराया। साथ ही टीबी उन्मूलन की दिशा में कार्य करने तथा इस रोग से प्रभावित लोगों को पूर्ण सहयोग प्रदान करने कहा ताकि टीबी रोग के प्रति लोग जागरूक हों। टीबी से संबंधित कार्यक्रमों एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी से अवगत कराया गया। कार्यक्रम



में उपस्थित लोगों को टीबी के सामान्य लक्षण खांसी, बुखार, वजन कम होना, सीने में दर्द तथा थकान के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही निक्षय पोषण योजना, स्वास्थ्य विभाग से उपस्थित अधिकारियों के द्वारा टीबी रोग व अन्य बीमारियों से स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधित जानकारीयों प्रदान की गई। ग्रामीणों को बताया गया कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी का उपचार नि:शुल्क होता है, इसकी दवाइयां भी नि:शुल्क दी जाती हैं। जनजातीय आदिवासी उपचारकर्ताओं द्वारा जो भी संभावित टीबी मरीजों के इलाज हेतु स्वास्थ्य केंद्र रेफर किए जा रहे हैं, उनकी जानकारी भी

नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र, संबंधित आशा, मितानिन, सरपंच, सचिव को देने का आग्रह किया गया, ताकि उन्हें भी इसकी जानकारी हो। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग और ग्रामीणों का सहयोग रहा।

विशेष ग्रामसभा में भी टीबी मुक्त पंचायत का दिया संदेश
सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत चोडेया में बिरसा मुंडा का जनजातीय समुदाय के लोगों के लिए दिए गए योगदान की स्मरण करते हुए पंचायतीराज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में सभी जनजाति बाहुल्य ग्रामों में विशेष ग्राम सभा का

आयोजन किया गया। जनपद सीईओ वेद प्रकाश पांडेय के मार्गदर्शन में पंचायत स्तर पर उपस्थित सभी ग्रामीणों को पेसा, एफआरए एक्ट और पीडीआई के संबंध में विभिन्न जानकारी दी गई। वहीं पिरामल फाउंडेशन की सरस्वती विश्वकर्मा ने पीडीआई और टीबी बीमारी पर प्रकाश डाला। गांव में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेलकूद जैसे आयोजन किए गए। कार्यक्रम के नोडल, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक के द्वारा विशेष ग्रामसभा के मुख्य उद्देश्य सहित अन्य विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम पश्चात पिरामल फाउंडेशन, चैपाल, पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को स्वच्छता, नशा मुक्ति, टीबी मुक्त पंचायत के संदर्भ में शपथ दिलाया। एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में देवेंद्र कुमार ठाकुर, प्रवीण कुमार सिंह, दीपक यादव, सुनीता, मनोरमा और टीबी मितान ताहरून निशा सक्रिय रहे।

अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का बिगुल बजाया था विरसा मुंडा ने जनजातीय गौरव दिवस पर विविध कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन
अंबिकापुर। कन्या छात्रवास खोरमा एवं आदर्श कन्या आश्रम प्रतापपुर में स्वास्थ्य विभाग के आरबीएसके टीम के द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता, स्वास्थ्य संबंधित प्रश्नोत्तरी, व्याख्यान माला, नशा मुक्ति और टीबी मुक्त भारत के लिए संकल्प, नृत्य और गायन आदि के कार्यक्रम संपन्न हुआ।

खंड कार्यक्रम प्रबंधक सतीश श्रीवास्तव ने बताया कि अपने राष्ट्र और राष्ट्र के गौरव को सदैव याद रखना चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम के महानायक भगवान विरसा मुंडा को आज पुरा देश याद कर रहा है। जनजातीय समुदाय के सभ्यता और संस्कृति के रक्षार्थ तथा अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का बिगुल बजाया था विरसा मुंडा ने। उन्होंने जनजातीय समुदाय को एकता के सूत्र में बांधने का भी कार्य किया था। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक सेना भी बनाई थी जो अंग्रेजों की सभाओं में तीर चलाकर जंगलों में भाग जाता करते थे। संपूर्ण भारतवर्ष उनके बलिदान को आज याद कर रहा है। टीम प्रभारी डॉ. शिव संतोष ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए विकास के बाधाओं को दूर करना होगा। व्यक्ति जब विसंगतियों से दूर रहेगा तब जाकर विकसित भारत का निर्माण कर पाएंगे। नशा से किसी भी व्यक्ति और समुदाय का भला नहीं हुआ है और न कभी होगा। नशा के कारण कई बिमारियों का जन्म होता है। नशे का लत भी व्यक्ति किशोरावस्था में पकड़ता है।



इसलिए व्यक्ति को इस किशोरावस्था को बड़े जतन से रखना चाहिए। पिरामल फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम समन्वयक राज नारायण द्विवेदी ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य समाज के निर्माण के लिए हम लोग शपथ लेंगे और उसका परिपालन भी करेंगे। टीबी मुक्त भारत के निर्माण के लिए सबका साथ और सहयोग आवश्यक है। पड़ोसी स्वस्थ तो हम भी स्वस्थ। पड़ोस में यदि किसी को टीबी नहीं है तो हमें संक्रमण का भय नहीं रहेगा, इसलिए जिसे भी 14 दिनों से अधिक खांसी है, तो बलगम का जांच हेतु सलाह और सुझाव लें। कार्यक्रम में डॉ. प्रीति लता सिंह, डॉ. दामिनी, रामेश्वरी कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

अधिकार कानून आदि पर विशेष चर्चा के साथ शपथ लिया गया। सरपंच सोनामती केहरी ने बताया कि विगत दिनों एक व्यक्ति जो वर्षों से भटक-भटककर इधर-उधर कभी इलाज कराता था फिर छोड़ देता था। नशा का अत्यधिक लत होने के कारण उसे डाटस पद्धति से जोड़ा गया। अब वह शराब भी नहीं पीता, नियमित दवा खा रहा है। इसके लिए सरपंच ने पिरामल फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम समन्वयक के पास फोन भी किया, उसे कई बार समझाया गया। अब वह बिल्कुल स्वस्थ है दवा चल रही है। इसी तरह हमें किसी भी व्यक्ति को बारम्बार समझाने की जरूरत है, बीमार के हालत से हमें मुंह नहीं मोड़ना है। पंचायत के एक भी व्यक्ति को

टीबी है तो वह बहुतों को फैला सकता है। सरपंच ने आगे कहा कि जनजाति समुदाय के गौरव भगवान विरसा मुंडा आज भारतवर्ष के गौरव हैं। उनके जयंती पर नशा मुक्ति समाज के लिए शपथ लेंगे। टीबी मुक्त पंचायत का निर्माण कर टीबी मुक्त समाज बनाएंगे। भारतवर्ष को स्वतंत्रता दिलाने में हमारे आदिवासी समुदाय का अहम भूमिका रही, जिसमें प्रमुख नाम विरसा मुंडा का है। इन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ी। समाज को संगठित कर तीर-धनुष लेकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाए, जिसका प्रभाव सरगुजांचल में भी रहा। कुसमी, जशपुर, शंकरगढ़ तक के लोग जुड़े थे। ग्राम सभा में पिरामल फाउंडेशन भी सहभागी रहा।

विशेष ग्रामसभा में सरपंच ने कहा-टीबी, अपराध और नशा मुक्त समाज बनाएंगे
भगवान विरसा मुंडा के 150वीं जयंती के अवसर पर जग्रनाथपुर के पंचायत भवन में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। यहां स्वास्थ्य पंचायत के निर्माण, नशा मुक्ति समाज, टीबी और अपराध मुक्त पंचायत, पेशा एक्ट, वन



परिक्षेत्र स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में संभाग की 16 टीमों हुई शामिल, साई कॉलेज विजेता

अंबिकापुर। श्री साई बाबा आदर्श स्नातकोत्तर महाविद्यालय की क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए परिक्षेत्र स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता (पुरुष वर्ग) का खिताब जीता है। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में संभाग की 16 टीमों ने भाग लिया, जिसमें साई कॉलेज की टीम ने लीग मैच में मनेन्द्रगढ़ के शासकीय विवेकानन्द महाविद्यालय को 79 रनों को लक्ष्य दिया था। मनेन्द्रगढ़ की रनों के दबाव में आ कर लक्ष्य का निर्धारित ओवरों में पूरा नहीं कर सकी।

क्राटर फाइनल में साई कॉलेज टीम का मुकाबला पटना की शासकीय नवीन महाविद्यालय टीम से हुआ। पटना की टीम द्वारा दिए गए लक्ष्य को साई कॉलेज की टीम ने चार ओवरों में पूरा कर लिया। साई कॉलेज टीम का सेमीफाइनल में मुकाबला उदयपुर की शासकीय नवीन महाविद्यालय की टीम से हुआ। लक्ष्य का पीछा करते हुए उदयपुर की टीम 40 रनों पर ऑलआउट हो गई। फाइनल मुकाबले में साई कॉलेज की टीम का सामना अंबिकापुर के सरस्वती महाविद्यालय की टीम से हुआ। सरस्वती

महाविद्यालय की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 68 रनों को लक्ष्य दिया। साई कॉलेज की टीम ने सात ओवरों में लक्ष्य पूरा कर 9 विकेट से मैच जीत लिया। टीम के कप्तान नीतेश कुजूर ने फालनल मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी की। अपर संचालक डॉ. रिजवान उल्ला ने विजेता खिलाड़ियों को शीलड प्रदान किया। टीम के कोच तिलक राज टोप्पो, खेल प्रभारी सोनाली गोस्वामी और खिलाड़ियों को प्रबंध समिति के अध्यक्ष विजय कुमार इंगोले, सचिव अजय कुमार इंगोले और प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बधाई दी है।